डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

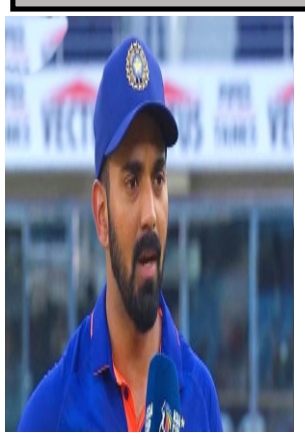

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

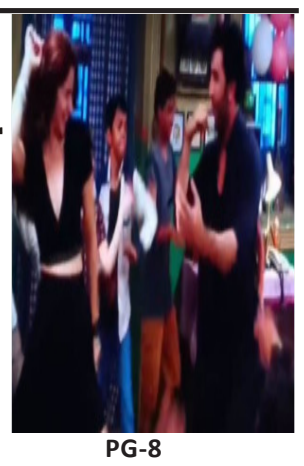

PG-8

सिनेमाःब्रह्मास्त्र में 'चिकनी चमेली' पर आलिया भट्ट

वर्ष -08 अंक -163 | प्रयागराज, शनिवार,10, सितम्बर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने पीएम मोदी के कार्यो को सराहा

(आधुनिक समाचार सेवा)

न्यूयार्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत ही बेहतरीन काम कर रहे हैं। ट्रंप ने साथ ही अपनी भी प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत को उनसे बेहतर दोस्त नहीं मिला है।ट्रंप ने एक भारतीय चैनल को दिए इंटरव्यू में भारत और मोदी से संबंधों पर व्यापक रूप से टिप्पणी करते हुए हाल

ही में उनकी संपत्ति मार-ए-लागो पर एफबीआइ की हालिया छापेमारी पर भी बेबाक बयान दिया। वर्ष 2017 से 2021 के बीच अपने राष्ट्रपति काल को लेकर ट्रंप ने कहा, ''मेरे भारत और मोदी से गहरे संबंध है। हम दोस्त रहे हैं। मेरे विचार से वह एक महान व्यक्ति हैं और बहुत ही बेहतरीन काम कर रहे हैं। उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, वह आसान काम नहीं है। हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। वह अच्छे आदमी हैं।भारत में वर्ष 2019 के आम चुनावों के बाद कम से कम चार बार मोदी से मिलने वाले 76 वर्षीय ट्रंप ने कहा, ''मेरे दोस्त, महान पीएम मोदी के साथ भारत महान कार्य कर रहा है।'' उल्लेखनीय है कि रिपब्लिकन ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भारत के सबसे अच्छे दोस्त बनकर उभरे थे। उस समय व्हाइट हाउस प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी दोस्ती को अगले स्तर पर ले गया था।

सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे जयशंकर, द्विपक्षीय संबंधों पर होगी चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर शनिवार से सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। यह विदेश मंत्री के रूप में सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा होगी। जयशंकर सऊदी अरब के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात करेंगे। वह अपने समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए चर्चा करेंगे। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।इस दौरान एस जयशंकर सऊदी के कई शीर्ष अधिकारी के साथ-साथ के महासचिव डा नायफ फलाह मुबारक अल हजरफ के साथ मुलाकात करेंगे। दोनों पक्ष आपसी संबंधों की समीक्षा करेंगे और इसे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्री सऊदी अरब में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगे। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, सुरक्षा, ऊर्जा, व्यपार, निवेश, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और रक्षा सहित अन्य मुद्दों पर रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दोनों देशों का शीर्ष नेतृत्व एक-दूसरे के संपर्क में रहे।

समकक्ष से करेंगे मुलाकात

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'विदेश मंत्री डा एस जयशंकर 10-12 सितंबर को सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा करेंगे। भारत के विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की उनकी पहली यात्रा होगी।' यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री अपने समकक्ष प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद से मुलाकात करेंगे। वह उनके साथ साथ भारत-सऊदी अरब सामरिक भागीदारी परिषद के ढांचे के तहत स्थापित राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समितिकी मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। ।विदेश मंत्रालय ने बताया, 'दोनों मंत्री द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे और समिति के चार संयुक्त कार्य समूहों के तहत प्रगति पर चर्चा करेंगे। इसमें राजनीतिक और कांउसलर, कानूनी और सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक और रक्षा सहयोग पर संयुक्त समिति शामिल है। बयान में कहा गया है कि इन समूहों और सचिव स्तर की बैठक पिछले कुछ महीनों में हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों पक्ष संयुक्त राष्ट्र, और खाड़ी सहयोग परिषद में अपने सहयोग सहित आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।'

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पहुंचे पाकिस्तान

(आधुनिक समाचार सेवा)

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने शुक्रवार को दुनिया भर से पाकिस्तान की मदद करने की अपील की। इस समय पाकिस्तान विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहा है, जिससे हजारों लोगों की मौत हो गई है और 3.3 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। पाकिस्तान में बाढ़ से पैदा हुए भयावह हालात के बीच महासचिव गुटेरेस 2 दिवसीय यात्रा पर आज पाकिस्तान पहुंचे।पाकिस्तान ने करीब दो सप्ताह पहले अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए 160 मिलियन अमेरिकी डालर की अपील की थी। बाढ़ से देशभर में करीब 1,350 लोग मारे गए हैं और जून की शुरुआत से पाकिस्तान का एक तिहाई हिस्सा जलमग्न हो चुका है। पाकिस्तान सरकार द्वारा मांगी गई 160 मिलियन अमेरिकी डालर की मदद से 5.2 मिलियन लोगों को भोजन, पानी, आपातकालीन शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सहायता मिलेगी।एंटोनियो गुटेरस ने पाकिस्तान पहुंचने के बाद ट्वीट किया, 'मैं यहां विनाशकारी बाढ़ के बाद पाकिस्तानी लोगों के साथ अपनी गहरी एकजुटता व्यक्त करने के लिए पहुंचा हूं।' उन्होंने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते है कि बाढ़ग्रस्त पाकिस्तान की मदद करने के लिए आगे आए। पाकिस्तानी उप विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने गुटेरस का स्वागत किया और अब वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात करेंगे।

चार्ल्स बने ब्रिटेन के राजा, अब ऐसी है राजशाही फैमली ट्री और उत्तराधिकारियों की सूची

(आधुनिक समाचार सेवा)

लंदन। ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरुवार को स्कॉटलैंड में निधन हो गया। उनकी उम्र 96 साल थी। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने 70 साल तक शासन किया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद पूर्व राजकुमार चार्ल्स अब ब्रिटेन के नए राजा होंगे। वहीं उनकी पत्नी कैमिला पार्कर अब देश की नई महारानी होंगी। दुनिया के सबसे पुराने प्रचलित इस शाही परिवार में कुल 22 सदस्य हैं और सिंहासन पाने के लिए सभी का क्रम तय है। यह वरिष्ठता क्रम उनकी उम्र से नहीं वंशानुक्रम से तय किया जाता है। आइए जानते हैं कि ब्रिटिश राजपरिवार की फैमिली ट्री क्या है ब्रिटिश शाही परिवार की मौजूदा वंशावली शुरू होती है महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और प्रिंस फिलिप से। दोनों की शादी से उन्हें 4 बच्चे पैदा हुए। जिनके नाम चार्ल्स, एनी, एंड्रयू और एडवर्ड हैं। इनमें चार्ल्स सबसे बड़े थे। वंशानुक्रम में सबसे वरिष्ठ होने के नाते वे अब ब्रिटेन के नए सम्राट घोषित कर दिए गए हैं। जबकि उनकी पतने कैमिला पार्कर अब देश की नई महारानी कहलाएंगी।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- बाढ़ और भूकंप से हजारों अफगानिस्तानी लोग प्रभावित

(आधुनिक समाचार सेवा)

काबुल। अफगानिस्तान के कई प्रांतों में विनाशकारी बाढ़ और भूकंप ने हजारों लोगों को प्रभावित किया है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने गुरुवार को बताया कि कई प्रांतों में बाढ़ और भूकंप से हजारों अफगान प्रभावित हुए हैं, जिन्हें तत्काल मानवीय सहायता की आवश्यकता है। खामा प्रेस ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यालय के अनुसार, 24 मिलियन से अधिक अफगानों की आबादी को मानवीय सहायता की सख्त और तत्काल आवश्यकता है।इसके अलावा, तालिबान सरकार के विदेश मामलों के कार्यवाहक मंत्री, अमीर खान मुत्ताकी ने पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि सरकार प्राकृतिक आपदाओं के पीडितों के लिए अपने दम पर सहायाता प्रदान करने में असमर्थ है और लोगों के दुखों को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता की अपील की। खामा प्रेस ने ओसीएचए रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 85,000 लोगों को भोजन, तंबू, चिकित्सा देखभाल, पानी, स्वच्छता, स्वच्छता किट और अन्य आवश्यक वस्तुओं सहित बाढ़ राहत सहायता मिली है।हाल ही में आई बाढ़ से मारे गए 250 लोगों के अलावा, देश के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ से 100,000 से अधिक अफगानों को नुकसान पहुंचा है। पिछले वर्ष बाढ़ से होने वाली मौतों की कुल संख्या 147 थी, हालांकि, इस वर्ष बाढ़ से मरने वालों की संख्या में 75 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने फिर दी चेतावनी

परमाणु हथियार नहीं छोड़ने का लिया संकल्प

(आधुनिक समाचार सेवा)

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने सार्वजनिक रूप से देश के परमाणु हथियारों को नहीं छोड़ने का दृढ़ संकल्प लिया है। उन्होंने अमेरिका पर देश की सरकार को गिराने की कोशिश का आरोप लगाया। इस बात की जानकारी वहां के मीडिया ने शुक्रवार को दी। प्योंगयांग की कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, उन्होंने स्पष्ट किया कि, प्योंगयांग का परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए बातचीत फिर से शुरू करने का कोई इरादा नहीं है। उत्तर कोरिया की संसद ने इस सप्ताह के शुरू में एक महत्वपूर्ण सत्र के दौरान एक नई परमाणु नीति को मंजूरी दी थी। किम ने कहा है कि, 'अमेरिका का उद्देश्य न केवल हमारे परमाणु हथियारों को खत्म करना है, बल्कि उत्तर कोरिया को आत्मरक्षा करने की शक्ति को छोड़ने या कमजोर करने के लिए मजबूर कर हमारे शासन को गिराना है।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, किम ने कहा कि, उत्तर कोरिया को अपने सामरिक परमाणु अभियान के दायरे का लगातार विस्तार करना चाहिए ताकि अपने परमाणु युद्ध की क्षमता को मजबूत किया जा सके।

पंजाब के बाद तमिलनाडु में सड़क हादसा, ओणम मनाकर लौट रहे तीन लोगों की हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

थोंडामुथुर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में शुक्रवार को एक कार अनियंत्रित होकर एक कुएं में गिर गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। कुंआ एक किसान का था और यह खुला हुआ था। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि सड़क हादसे में मारे गए तीनों लोग ओणम उत्सव मनाकर एक रिसॉर्ट से लौट रहे थे। दुर्घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब कार ने नियंत्रण खो दिया और एक किसान के खुले कुएं में गिर गई। यह घटना कोयंबटूर के बाहरी इलाके थोंडामुथुर के थीनामलूर गांव में हुई।हादसे में कॉलेज के छात्र रहे तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक और व्यक्ति किसी तरह दुर्घटना से बच निकलने में सफल रहा। मामले में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है इससे पहले, पंजाब के लुधियाना में लाडोवाल टोल प्लाजा के नजदीक सड़क दुर्घटना हो गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और एक युवक घायल हो गया। मरने वालों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल है बताया जाता है कि मोगा के पिंडर गांव से एक परिवार नवांशहर जा रहा था। जैसे ही उनकी गाड़ी साउदर्न बाईपास से पुल पर चढ़ाई कि ड्राइवर गाड़ी पर से अपना नियंत्रण खो बैठा। इससे गाड़ी पुल से नीचे गिर गई मैनपुरी में दो लोगों की मौत इससे पहले, आठ सितंबर को उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में सड़क हादसे में दो की मौत हो गई। दोनों भाई-बहन थे। बताया जाता है कि दोनों बाइक पर सवार थे। उन्हें जीटी रोड के सामने अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दोनों भाई दिल्ली से कननैज जा रहे थे।

अमेरिकी एयरफोर्स को अब नहीं एफ-16 फाइटर जेट की जरूरत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 के रखरखाव और उसके लिए हथियारों की खरीद को मंजूरी दे दी है। राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टि से इसके मायने बेहद खास हो सकते है। लेकिन इसको लेकर एक कड़वी सच्चाई ये भी है कि वर्षों से इस विमान को अमेरिका ने अपने लिए नहीं खरीदा है। इसके अपग्रेड माडल को केवल दूसरे देशों में बिक्री के लिए ही तैयार किया गया है। 1976 में इसकी प्रोडेक्शन शुरू हुई थी। तब से इसके करीब 4600 विमान बने हैं। जनरल डायनामिक्स के इस विमान का उत्पादन अब लाकहिड मार्टिन करती है। वर्ष 2020 तक इस विमान के 670 हादसे हो चुके हैं। इस विमान की एक खासियत है कि इसकी उड़ान में मौसम कभी बाधा नहीं बनता है। ये हर मौसम में उड़ान भर सकता है। इसकी गति की बात करें तो 2 मैक की इसकी अधिकतम रफ्तार है। अमेरिका में बना एफ-16 फाल्कन फाइटर जेट सिंगल इंजन होने के बाद मल्टीरोल फाइटर जेट है।

जयशंकर ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर जताया शोक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विदेश मंत्री (इएएम) एस जयशंकर ने शुक्रवार को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समकालीन समय में एलिजाबेथ द्वितीय का 96 वर्ष की आयु में बाल्मोरल महल में निधन हो गया। ब्रिटेन के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले सम्राट को उसकी हालत बिगड़ने के बाद गुरुवार को चिकित्सकीय देखरेख को प्रेरित और प्रेरित किया। इस दुखद दिन पर मुझे याद है कि उसने मेरे देश और दुनिया भर के इतने सारे लोगों को क्या दिया।ब्रिटेन के अखबार द इंडिपेंडेंट ने यूके हाउस आफ कामन्स के अधिकारियों का हवाला देते हुए ब्रिटेन के सांसदों को शनिवार को किंग चार्ल्स घ्घ्र के प्रति वफादारी की शपथ लेने की उम्मीद की है।गुरुवार को, यूके मीडिया ने बताया कि चार्ल्स घ्घ्र को शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर यूनाइटेड किंगडम का राजा नामित किए जाने की उम्मीद थी।रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के सभी सांसदों को 10 दिन के शोक की अवधि के बाद शपथ लेने का अवसर मिलेगा, लेकिन यह ठऔपचारिक आवश्यकता नहीं है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत महारानी के निधन पर दुनियाभर के कई नेताओं ने दुख जताया है । ट्विटर पर प्रधानमंत्री ने 2015 और 2018 में ब्रिटेन की अपनी यात्राओं के दौरान महारानी के साथ अपनी यादगार मुलाकातों को याद किया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'मैं उनकी गर्मजोशी और दया को कभी नहीं भूलूंगा। एक बैठक के दौरान, उन्होंने मुझे वह रूमाल दिखाया जो महात्मा गांधी ने उन्हें उनकी शादी में उपहार में दिया था।

सांसद प्रमिला जयपाल को मिली जान से मारने की धमकी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के साथ हाल ही में हेट स्पीच के मामले सामने आए है। अब भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को भी धमकी मिली है। सांसद ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि फोन पर उन्हें आपत्तिजनक संदेश मिले हैं भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस की महिला प्रमिला जयपाल ने कहा है कि उन्हें फोन पर अपमानजनक और नफरत भरे संदेश मिल रहे है। उन्हें भारत जाने के लिए कहा जा रहा है। जयपाल ने पांच ऑडियो मैसेज को सोशल मीडिया पर शेयर किया है ऑडियो मैसेज में एक पुरुष जयपाल को अपने देश जाने की धमकी दे रहा है। ऐसा ना करने पर वो गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी देता है। सांसद ने ट्वीट कर कहा, 'मैंने यहां इन मैसेज को इसलिए शेयर किया क्योंकि हम हिंसा को हमारे लिए नई आम बात के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते।'

पाकिस्तान में गरीब और अमीर के लिए है अलग कानून

(आधुनिक समाचार सेवा)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने एक बार फिर न्यायपालिका के खिलाफ अपनी भड़ास सार्वजनिक तौर पर निकाली है। एक रैली में इमरान खान ने कहा कि इस देश में गरीब के लिए अलग कानून है और अमीर के लिए अलग कानून है। गरीब जरा सी गलती पर जेल जाता है जबकि अमीर बड़े अपराध करने के बाद भी मजे से घूमता है। उन्होंने यहां तक कहा कि जिस देश की कोर्ट न्याय नहीं दे सकती है वो देश कभी तरक्की भी नहीं कर सकता है। मुल्तान में हुई रैली में इमरान न्यायपालिका के रवैये से गुस्साए नजर आए। पूर्व पीएम ने कहा कि वो देश में तरक्की और खुशहाली लाना चाहते हैं। यदि जनता ने उन्हें सत्ता में लौटने का दूसरा मौका दिया तो वो ऐसा करके रहेंगे।

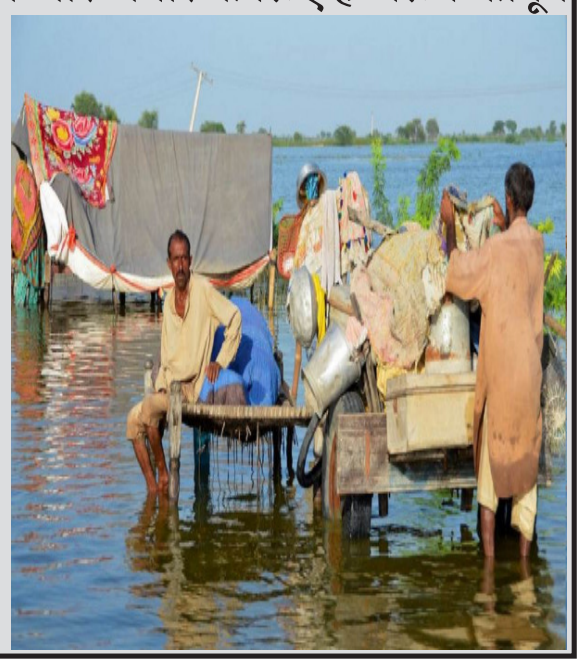

नरेंद्र गिरि की समाधि पर पूजन प्रयागराज में संतों का जमघट

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरि की धाक देश-विदेश में थी। पिछले वर्ष उनकी संदिग?ध मौत हुई थी। आज शनिवार 10 सितंबर को उनकी प्रथम पुण्य तिथि को स्मृति पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। प्रयागराज के श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में संतों व भक्तों का जमघट लग गया है। देश के विभिन्न शहरों से आए संतों व श्रद्धालुओं ने नरेंद्र गिरि की समाधि पर मत्था टेक रहे हैं। नरेंद्र गिरि की समाधि स्थल पर पूजन में शिवपाल यादव भी होंगे शामिल : शनिवार को नरेंद्र गिरि की समाधि का पूजन होगा। इसके बाद श्रीमहंत विचाराधनंद संस्कृत महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। उसमें प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव, अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि सहित 13 अखाड़ों के प्रमुख महात्मा व भक्त शामिल होंगे। सभी नरेंद्र गिरि से जुड़े संस्मरण साझा करेंगे।श्रीमहंत बलवीर गिरि बोले- सभी की सुविधा का ध्यान : श्रीमहंत बलवीर गिरि का कहना है कि बड़े महाराज (नरेंद्र गिरि) का प्रथम पुण्य स्मृति पर्व हमारे लिए भावुक पल है। इसमें कोई कमी न रहने पाए उसका ध्यान रखा गया है। हर अतिथि हमारे लिए देवतुल्य है। सबकी सुविधा का ध्यान रखा गया है।अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी प्रयागराज पहुंचे : श्रीनिरंजनी अखाड़ा के सचिव व अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी भी प्रयागराज आ गए हैं। उन्होंने शनिवार को होने वाले भंडारा व श्रद्धांजिल सभा की तैयारियों को देखा। व्यवस्था में लगे लोगों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। श्रीमठ बाघम?बरी द्वी के पीठाधीश्वर बलवीर गिरि ने बाहर से आए महात्माओं का स्वागत किया।भजन संध्या में जुटे संत : शुक्रवार की शाम को श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें साधु-संतों समेत श्रद्धालु शामिल हुए। अजय याज्ञनिक ने संगीतमयी सुंदरकांड का पाठ किया। भजन की सुरीली प्रस्तुति करके माहौल को भक्तिमय कर दिया।

सपा में बहुत धोखा मिला, अब वापसी संभव नहीं, प्रयागराज में बोले शिवपाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव शुक्रवार शाम को यहां पहुंचे। झूंसी स्थित लाल चौक के पास पार्टी के जिला कार्यालय के उद्घाटन से पहले अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में बहुत धोखा मिला है, इसलिए वापसी संभव नहीं है। शिवपाल ने कहा कि अभी अपने संगठन को और मजबूत बनाने में लगे है। क्योंकि कुछ माह बाद ही नगर निकाय का चुनाव है। इसके बाद लोकसभा चुनाव होगा। इसलिए कार्यकर्ताओं से कहा जा रहा है कि वह गांव-गांव, गली-गली का दौरा कर लोगों को पार्टी की नीतियों को बताएं और उनको साथ लाएं। पार्टी अपने दम पर निकाय और लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार समाजवादियों को एकजुट कर रहे है, लेकिन अभी तक उनसे कोई संपर्क नहीं किया है। इसलिए इस बारे में अभी वह कुछ नहीं कह सकते। भाजपा में जाने के सवाल पर बोले कि समय आने पर विचार किया जाएगा। बसपा-भाजपा पर बोले कि जनता को सब पता है कि कौन किससे मिला हुआ है। इसके बाद उन्होंने जिला कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार महंगाई पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। भ्रष्टाचार भी नहीं रुक रहा है। जो भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसके खिलाफ जांच शुरू हो जाती है। कहा कि बिजली की अघोषित कटौती से किसान परेशान है। उनकी पीड़ा को कोई सुनने वाला नहीं है। इस मौके पर प्रदेश महासचिव व मंडल प्रभारी लल्लन राय, संगठन मंत्री रमेश यादव, जिलाध्यक्ष दीनानाथ, मंजेश यादव, आफताब आलम आदि रहे।

लोकनाथ की गलियों ने दिए हिंदी के रत्न ऐतिहासिक भारती भवन बना रहा उनका ठौर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पुराने शहर में लोकनाथ सब्जी मंडी के भीतर कुछ तंग गलियों में बसे मोहल्ले मालवीय नगर, खुशहाल पर्वत, अहियापुर, भारती भवन रोड। हिंदी के जुनूनी लोगों पं. बालकृष्ण भट्ट, राजर्षि पीडी टंडन, महामना पंडित मदनमोहन मालवीय और केशवदेव मालवीय का इनमें बचपना बीता। इनमें महामना और पीडी टंडन तो हिंदी की उत्कृष्ट सेवा और राष्ट्र के प्रति योगदान देने पर भारत रतन तक हुए। पं. बालकृष्ण भट्ट ने हिंदी प्रदीप के रूप में ऐसी पत्रिका दी जिसकी बदौलत लोगों ने 'इलाहाबाद' को पहचाना।खुशहाल पर्वत की संकरी गली में पं. बालकृष्ण भट्ट का जन्म हुआ और उसी के आसपास पले बढ़े। भारती भवन पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष स्वतंत्र पांडेय कहते हैं कि हिंदी पल्लवित और विकसित हुई तो इसके लिए तमाम लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछार कर दिया था। पं. बालकृष्ण भट्ट, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन, केशवदेव मालवीय, महामना पंडित मदनमोहन मालवीय का जुनून इसमें सहायक बना। बताया कि भारती भवन पुस्तकालय में ऐसी पुस्तकें भी हैं जिन्हें पढ़कर मालवीय नगर, खुशहाल पर्वत, अहियापुर का इतिहास जाना जा सकता है। हिंदी का परचम देशभर में लहराया है तो यह सौभाग्य की बात है कि इसकी मुहिम चलाने वाले इसी मुहल्ले के वासी रहे हैं। हालांकि यह दुर्भाग्य है कि इन मोहल्लों, हिंदी को प्रेरणादायी बनाने वालों की जन्मस्थली का न तो विकास हो सका न ही इनका संरक्षण हो रहा है। जबकि यही गलियां सभी हिंदी प्रेमियों के लिए नमन योग्य है।

शिक्षक की उत्कृष्ट सोच ही राष्ट्र निर्माण में सहायक है- डॉ0शैलेंद्र मिश्र

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। हेमवती नंदन बहुगुणा पी0जी0कालेज लालगंज प्रतापगढ़ में एक शैक्षिक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विद्वान शिक्षकों ने शिक्षा और शिक्षक की उपादेयता पर प्रकाश डाला। गोष्ठी में जन सूचना अधिकारी फणींद्र नारायण मिश्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए- 'राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका' विद्वान शिक्षकों को प्रकाश डालने हेतु मंच पर आमंत्रित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 शैलेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि वर्तमान समय मे अध्यापकों की सुंदर सोच ही राष्ट्र निर्माण में सहायक है।उन्होंने शिक्षकों को अपने कर्तव्य का निर्वहन करने का सुझाव देते हुए उनकी उपादेयता पर विधिवत प्रकाश डाला।गोष्ठी में शिक्षकों के अलावा छात्रों ने भी अपने विचार रखे।इस अवसर पर प्राचार्य द्वारा जिले स्तर पर कालेज का परचम लहराने वाली छात्रा अनुष्का मिश्रा को पुरस्कार एवं मेडल पहना कर स्वागत किया गया।संचालन डॉ0वाचस्पति मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ0राजेन्द मिश्र, डॉ0आलोक द्विवेदी,डॉ0निशान्त पांडे,डॉ0 संतोष मिश्र,डॉ0श्याम नारायण तिवारी आदि ने अपना विचार रखा।

पुराने कोर्ट भवन के कमरे में शार्ट सर्किट से लगी आग

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। यूपी के प्रतापगढ़ जिले में स्थित पुराने सीजेएम कोर्ट के कमरे में आग लग गई। शुक्रवार

की दोपहर अचानक लगी आग से अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड के वाहनों से कुछ ही देर में आग पर फायर कर्मियों ने काबू पा लिया। इस दौरान पुलिस भी मौजूद रही। हालांकि इस दौरान पुरानी फाइलें और फर्नीचर जल गए। आग का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। बिल्डिंग के अंदर से बाहर निकल गए लोग : प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय में पुराना सीजेएम कोर्ट है। पुराने सीजेएम कोर्ट के एक कमरे में शुक्रवार की दोपहर करीब 12:30 बजे अचानक आग लग गई त् धुआं उठता देख वहां मौजूद लोगों में खलबली मच गई। बिल्डिंग में रहे लोग आनन-फानन में बाहर निकल आए। जानकारी होने पर बिल्डिंग के नीचे भीड़ लग गई। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी।

बाबू राम करन सिंह के बहुआयामी व्यक्तित्व का किया स्मरण,बताया समाज का आदर्श

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जनपद के प्रसिद्ध समाजसेवी,शिक्षक एवं पत्रकार बाबू राम करन सिंह की 22 वीं पुण्यतिथि पर शिक्षकों, चिकित्सकों,पत्रकारों एवं कवियों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व की चर्चा करते हुए उन्हें समाज का आदर्श बताया। मुख्य अतिथि जिला ओलंपिक संघ के सचिव रघुराज बहादुर सिंह ने बाबू राम करन सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।उन्होंने अपने उद्बोधन में उन्हें समाज का आदर्श बताया।कई समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के प्रकाशक एवं संपादक अखिल नारायण सिंह ने उनकी सामाजिक,शैक्षिक एवं पत्रकारिता जगत की विशेषताओं की चर्चा करते हुए उन्हें एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जय नारायण सिंह ने उनके अध्ययन काल से लेकर जीवन काल के तमाम संस्मरणों को साझा किया।इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार राम बोध पाण्डेय,पत्रकार हिमांशु श्रीवास्तव एवं प्रीति पांडेय को आयोजक मंडल द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार त्रिपाठी प्रवात ने उस प्रखर समाजसेवी के योगदान की चर्चा की।डॉ0दया राम मौर्य रतन,शेष नारायण दुबे,जयराम पांडेय, ट्रस्ट के सचिव शंकर शरण सिंह,बृजेन्द्र प्रताप सिंह,आदित्य प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य के पी कालेज डॉ0 जगदीश चन्द्र श्रीवास्तव,डॉ0घनश्याम अग्रवाल,डॉ0बी0पी0 सिंह,डॉ0अविनाश चंद्रा आदि उपस्थित रहे।कवि एवं अधिवक्ता सुरेश नारायण दुबे व्योम ने अपने कुशल संचालन से समारोह को सरस बनाया।आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के आयोजक डॉ0 हरिकेश बहादुर सिंह ने किया।

राजस्व वसूली में शिथिलता बरतने पर होगी कार्यवाही-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायंकाल कलेक्ट्रेट के सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत देय, व्यापार, खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, नगर निकाय, स्टाम्प ड्यूटी, बाट-माप, जी0एस0टी0 सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की तथा कम वसूली वाले विभाग को सुधार लाने के निर्देश दिये। जीएसटी की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने उपायुक्त जीएसटी से आरा मशीनों के जीएसटी पंजीकरण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की तो बताया गया कि कोई भी आरा मशीन जीएसटी में पंजीकृत नहीं है। जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देश दिया कि जीएसटी का पंजीकरण बढ़ाया जाये और लक्ष्य की पूर्ति की जाये। जीएसटी में उद्यमियों का रजिस्ट्रेशन भी बढ़ाया जाय। स्टाम्प ड्यूटी की समीक्षा में पाया गया कि तहसील लालगंज एवं कुण्डा के सब रजिस्ट्रार द्वारा मानक से कम आय हुई है, सहायक आयुक्त स्टाम्प द्वारा बताया गया कि इस माह में कुल 67 बैनामों की जांच की गयी जिसमें से मात्र 16 में कमियां पायी गयी है, जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि बैनामों की जाँच सरसरी तौर पर किये जाने का कोई औचित्य नहीं है, उन्होने तहसील लालगंज एवं कुण्डा सब रजिस्ट्रार को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। सहायक आयुक्त स्टाम्प द्वारा बताया गया कि विभाग में 230 आर0सी0 वसूली योग्य लम्बित है, जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऐसे बकायेदारों की सम्पत्तियॉ कुर्क करायी जाये, अधिकतर 10 बकायेदारों की सूची बनाकर सब रजिस्ट्रारों से इसकी वसूली सुनिश्चित करायी जाय।परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि स्कूल बसें जो मानक के विपरीत है उन पर शासन के निर्देशानुसार कड़ी कार्यवाही की जाये। खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि यदि कोई व्यापारी बार-बार डिफाल्टर है एवं अधोमानक या मिलावट के लिये दोषी पाया जाये तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाये किन्तु किसी भी व्यापारी का अनावश्यक उत्पीड़न न किया जाये। वन विभाग की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी अवैध पेड़ों के कटान तथा आरा मशीनों पर प्रर्वतन एवं प्रभावी कार्यवाही न करने हेतु प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी (डीएफओ) को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने खनन निरीक्षक को निर्देश दिया कि जिन ट्रकों को एम-11 के विपरीत ओवरलोडिंग पायी जाये ऐसे ट्रक के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाये तथा जिस खदान से ओवरलोडिंग हो रही है उसके विरूद्ध कार्यवाही हेतु सम्बन्धित जिलाधिकारी को पत्र भेजवा जाये। चकबन्दी विभाग की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने एसओसी चकबन्दी को निर्देश दिया कि जिन गांवों में चकबन्दी के सम्बन्ध में मा0 न्यायालय द्वारा स्टे दिया गया है अथवा कई वषों से वाद लम्बित है, एक्सपेडाइट एप्लीकेशन के माध्यम से जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया जाये। एसओसी द्वारा बताया गया कि इस वर्ष तक 13 गाँव में धारा-52 का प्रकाशन कर दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने चकबन्दी के अन्तर्गत आने वाले 48 ग्राम पंचायतों के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा करते हुये निर्देश दिया कि ऐसे 4 गांव जो विगत 25 वषों से चकबन्दी के अन्तर्गत है उनमें अविलम्ब कार्यवाही पूर्ण करायी जाये। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत भूलेख के अंकन की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता का कार्यक्रम है इसमें तेजी लायी जाये और इसकी फीडिंग बढ़ायी जाये। जनपद में अल्पवृष्टि के कारण सूखे से प्रभावित धान की खेती के सर्वे करने हेतु जिलाधिकारी ने उद्यान, राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में सर्वे करने हेतु निर्देश दिया। उन्होने कहा कि एक सप्ताह में ग्रामवार सर्वे कर वास्तविक नुकसान के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये ताकि किसानों को हुये नुकसान के सम्बन्ध में शासन को अवगत कराया जा सके। इसी तरह विभिनन राजस्व न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने अन्त में निर्देश दिया कि विभागों को शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को अनिवार्य रूप से शत् प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होने विभागों को वसूली एवं प्रर्वतन की कार्यवाही बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि राजस्व वसूली में शिथिलता बरतने पर सम्बन्धित विभाग के अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी, इसलिये सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश पटेल, उप कृषि निदेशक डा0 रघुराज सिंह, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित।

पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल चिकित्सालय टीम ने रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे का मंडल चिकित्सालय रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत है वही उनके स्वास्थ्य की कुशलता हेतु सदैव प्रयासरत है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 सुनंदा चतुर्वेदी के निर्देशन में मंडल चिकित्सालय की टीम द्वारा आज गुरुवार को गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर लाइन कर्मचारियों हेतु स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया गया। पूर्वोत्तर रेलवे मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार के अनुसार इस स्वास्थ्य जाँच

शिविर में मंडल चिकित्सालय की चिकित्साधिकारी डा0 आशीष कुमार गुप्ता, पैरामेडिकल टीम में श्री पवन नाथ सिंह यादव,श्री पवन वर्मा एवं मो गरीब द्वारा गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल के जवानों समेत कुल 38 लाइन कर्मचारियों का ब्लड शुगर,ब्लड प्रेशर,ई.सी.जी. तथा कद और वजन मापा गया, जिसमें 05 कर्मचारियों को ब्लड शुगर एवं 4 कर्मचारियों को हाई बीपी.हाइपर टेंशन रोगग्रस्त होने का पता चला मंडल के चिकित्सकों द्वारा रोगग्रस्त कर्मचारियों को समुचित उपचार हेतु गहन परामर्श एवं आवश्यक दवाएं दिया गया।

04 नफर अभियुक्त गिरफ्तार अन्तर्गत धरा 151/107/116 सीआरपीसा

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। श्रीमान् वरिष्ठ् पुलिस अधीक्षक महोदय प्रयागराज के निर्देशन मे जनपद में वाछित वारण्टी अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभ्यिान के क्रम मे श्रीमान पुलिस अधीक्षक यमुनापार महोदय के कुशल नेतृत्व एवं श्रीमान् क्षेत्रधिकारी मेजा महोदय के कुशल मार्ग दर्शन मे मुझ पभारी निरीक्षक के कुशल निर्देशन मे उ0नि0 पंकज कुमार, उ0नि0 सौरभ कुमार वर्मा मय हमराह का0 सच्चिदानन्द यादव, का0 नवीन कुमार थाना कोरांव प्रयागराज द्वारा थाना स्थानीय क्षेत्र मे शान्ति भंग के आशंका के दृष्ठिगत अभियुक्त गण 1. राज मुमार पुत्र दशरथ उम्र 35 वर्ष 2. गायत्री प्रसाद पुत्र वंशीलाल उम्र 38 वर्ष 3. शम्भूनाथ पुत्र रेशम लाल उम्र 32 वर्ष निवासीगण ग्राम धाव थाना कारांव प्रयागराज 4. अजय कुमार पुत्र पाण्डे उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम बसुही थाना कोरांव प्रयागराज को अन्तर्गत धारा 151/107/116 सीआरपीसी हिरासत पुलिस मे लिया गया अभियुक्तगण उपरोक्त को सम्बन्धित न्यायालय के समक्ष्ा पेश किया जा रहा है। **पंजीकृत अभियोगः-** अभियुक्त गण उपरोक्त के विरुद्ध अन्तर्गत धरा 151/107/116 सीआरपीसी की कार्यवाही की गयी **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः-** 01. उ0नि0 पंकज कुमार 02. उ0नि0 सौरभ कुमार वर्मा, 03. का0 सच्चिदानन्द यादव, 04. का0 नवीन कुमार।

दिल्ली-एसी में सीएए कानून के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 12 सितंबर को दायर याचिका पर सुनवाई की जाएगी सीजीआई यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी सुनवाई याचिका में कानून की संवैधानिक वैधता पर उठाए गए सवाल, सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में केंद्र को नोटिस जारी कर मांगा था जवाब 12 सितंबर को इस मामले पर होगी सुनवाई।

वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए जमीन खरीद को मंजूरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआइ) ने वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए राजातालाब तहसील के गंजारी में जमीन चिन्हित कर ली है। लगभग 25 एकड़ की जमीन की खरीद के लिए अब शासन ने भी हरी झंडी

देते हुए 90 करोड़ रुपये की प्रारंभिक धनराशि जारी कर दी है। प्रशासन इस सप्ताह से जमीन खरीद की तैयारी में जुट जाएगा। इसके बाद जमीन क्रय होते ही आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बीसीसीआइ के निर्देशन में जमीन खरीद होने के बाद निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। उम्मीज जताई जा रही है कि पीएम के संसदीय क्षेत्र में बनने वाला यह स्टेडियम यूपी के सबसे बड़े दर्शक क्षमता वाला स?टेडियम होगा। अधिकारियों के अनुसार जमीन क्रय पर लगभग 120 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। बीसीसीआइ के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और सचिव जय शाह पिछले दिनों वाराणसी आकर जमीन खरीदने और स्टेडियम निर्माण को लेकर विचार विमर्श कर चुके है। इसके साथ ही उन्होंने वाराणसी आकर जमीन का मौका मुआयना भी किया था। उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की घोषणा करने के साथ ही प्रदेश के बजट में 95 करोड़ रुपये अतिरिक्त की स्वीकृति भी दे चुकी है। अब जमीन की खरीद होने के बाद इसे स्टेडियम बनवाने के लिए बीसीसीआइ को सौंप दी जाएगी।

आजमगढ़ से फतेहगढ़ जेल भेजे गए सपा विधायक रमाकांत यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
आजमगढ़। शासन के निर्देश पर आजमगढ़ जेल में बंद समाजवादी पार्टी विधायक रमाकांत यादव को फतेहगढ़ जेल अब भेज दिया गया है। जेल प्रशासन के अनुसार जेल की व्यवस्था को देखते हुए रमाकांत यादव को फतेहगढ़ जेल में भेजा गया है। माहुल जहरीली शराब कांड समेत कई मामलों में जेल में निरुद्ध फूलपुर पवई के सपा विधायक रमाकांत यादव को शासन के निर्देश पर आजमगढ़ जिला कारागार से फतेहगढ़ जेल भेजने की जानकारी मिलने के बाद समाजवादी पार्टी स?तर पर इस प्रकरण की सुबह से ही चर्चा हो रही है। बीते दिनों जेल में जाकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी उनसे मुलाकात कर जिले के सियासी हालात को लेकर चर्चा की थी। उसके बाद से ही रमाकांत को लेकर जिले में गहमागहमी चल रही थी।रमाकांत यादव पर वर्ष 1998 में लोकसभा चुनाव के दौरान अंबारी, 2004 में लोकसभा चुनाव के दौरान सरायमीर में सपा के एजेंट से मारपीट का मुकदमा पहले से दर्ज था। पिछले दिनों अंबारी में फायरिंग मामले में वह अदालत में पेश किए गए थे जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया था।

मस्जिद परिसर में मिले शिवलिंग के दर्शन- पूजन की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मिले शिवलिंग के दर्शन-पूजन की मांग की याचिका पर

सुनवाई आज शनिवार की दोपहर होने जा रही है। ज्ञानवापी प्रकरण में विश्व हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर शनिवार को सुनवाई होगी। फास्ट ट्रैक सीनियर डिवीजन महेंद्र पांडेय की अदालत में दाखिल प्रार्थना पत्र में ज्ञानवापी परिसर के सर्वे के दौरान मिले शिवलिंग को अविमुक्तेश्वर महादेव बताते हुए नियमित दर्शन-पूजन की मांग की गई है। इसमें मुस्लिम पक्ष से अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के साथ ही शासन व स्थानीय प्रशासन को प्रतिवादी बनाया गया है। इसी वर्ष 16 मई को एडवोकेट कमिश्नर की सर्वे की कार्रवाई के दौरान वजूखाने में जांच के दौरान एक बड़ा शिवलिंग मिलने के बाद आनन फानन अदालत ने वह स्थल मुस्लिमों के वजू के लिए सील कर दी। वजूखाना सील करने के बाद से ही हिंदू पक्ष की ओर से मस्जिद में मिले शिवलिंग के पूजन और अर्चन की मांग की जा रही है। शिवलिंग के पूजन को लेकर धरना प्रदर्शन और आंदोलन तक की चेतावनी प्रशासन को विभिन्न संगठनों की ओर से दी जा चुकी है। इस मामले में अदालत में विश्व हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर पूर्व में भी सुनवाई होती रही है। अब अदालत की ओर हिंदू पक्ष फैसले की आस में इंतजार कर रहा है। इस मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से शिवलिंग को फव्वारा बताकर केस को खारिज करने की मांग की जाती रही है। वहीं इसी मामले में अदालत को वक्फ की संपत्ति को सुनवाई का अधिकार न होने की मांग करते हुए अदालत से केस को खारिज करने की मांग की जाती रही है। ऐसे में सर्वे के दौरान मिले शिवलिंग के पूजन अर्चन की मांग हिंदू पक्ष की ओर से लगातार जारी है। इस मामले में शनिवार को अदालत का रुख केस की दिशा तय करेगा।

बिजली कटौती से चौपट होन के कगार पर औद्योगिक क्षेत्र

हर राज लाखों का नुकसान, वर्क ऑर्डर पिछडने से कई उद्यमियों ने दूसरे राज्यों में शिफ्ट होने का शुरु किया विचार

(आधुनिक समाचार सेवा)
(नैनी) प्रयागराज। ट्रिपिंग, फाल्ट और बिजली कटौती की समस्या ने इंडस्ट्रियल एरिया के उद्यकियो के माथे पर बल डाल दिया है। एक तरफ जहां योगी आदित्यनाथ सरकार उद्यकियों के लिए गंभीर है, वही दूसरी और नैनी औद्योगिक क्षेत्र मे बिजली कटौती मुसीबत का सबब बन गई है। बेतहाशा बिजली कटौती से यहां के उद्यमी हैराज है। हालत यह है कि अब वह दूसरे राज्यो मे अपने उद्योगों को स्थांनातरित करने पर विचार करने लगे है। विद्युत कटौती से यहां की प्लास्टिक इंडस्ट्री सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। बिना सूचना के हो रही कटौती के कारण इन्हे पतिदिन लाखो रुपये का नुकसान हो रहा है, साथ ही इनका वर्क ऑडर भी पिछड रहा है। उद्योग बंधु की मंडलीय एवं जिला स्तरीय बैठको इस समस्या को दजनों बार उठाया गया, लेकिन इसके बाद भी आज तक कोई समाधान नही निकला। उद्यकियो का कहना है कि जेई, एसडीओ की मनमानी की वजह से बिना नोटिस के ही कनेक्षन काट दिया जाता है। प्रतिदिन औद्योगिक क्षेत्र मे आधा दर्जन से अधिक बार कटौती की जाती है। उद्यमियें का कहना है कि बीते 29 अगस्त को चार घंटे की विद्युत कटौती का आदेश दिया गया था, लेकिन पेड की कटाई की वजह से शाम पांच बजे तक आपूर्ति बंद रही। इस तरह कटौती किए जाने सू उद्योग चौपट हो रहे है और लाखो रुपये का नुकसान उठाना पड रहा है अधिशासी अभियुता, सुनील यादव ने बताया कि उद्यमियो के साथ बैठक कर समस्याओं को जाना है और समाधान भी तेजी से कराया जा रीहा है। एक उद्यमी का बकाये मे कनेक्शन काटा गया था, लेकिन उसे भी जोडवा दिया गाया। अब ऐसी दिक्कते नही आने पाएंगी।

उद्यमियो द्वारा कटौती की शिकायत की गई है। कटौती को लेकर मे लॉगबुक तैयार करुंगा। साथ ही जिलाधिकारी से बात करने के सथ यहां की वस्तुस्थिति से उन्हे अबगत कराऊंगाा।
प्रदीप कुमार सत्यार्थी, क्षेत्रीय प्रबंधकउत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण

मै गुजरात व महाराष्ट्र मे रहा हूं। वहां औद्योगिक क्षेत्र मे महीनो लाइन नही जाती थी। यह सप्लाई बंद करनी हाती थी तो उसकी सूचना पहले उद्यमियो को दी जाती थाी लेकिन यहां बिना सूचना के ही आपूर्ति बंद होने से सारा सिस्टम डिस्टर्ब हो जाता है।विच्छेदन तिथि से पहले ही कनेक्शन विच्छेदन कर दिया जाता है। मै एनसीआर, नोएडा मे उद्योग के लिए भमि देख राह हूं। यदि यही स्थिति रही तो संभावनाएं बनते ही उद्योग शिफ्ट कर लूगां। **धर्मेद्र मिश्रा, तुन पॉलीमर**

नैनी औद्योगिक क्षेत्र मे विद्युत विभाग के पास कोई तकनीकि व्यक्ति के नही है। इससे यहां पर फाल्ट की समस्या धिक है। दिन मे कई बार जिलती कटती है। वोल्टेज बाराबर नही मिल रहा है। बीते पांच साल पहले एरियर ब्रंच कंडक्टर लगा होने के बाद उसे चालू नही किया जा सका है। इससे तारो पर पेड की डाल आ जा हरी है। जो फल्ट का कारण बन रहा है। विद्युत कटौती से उद्योग प्रभावित हो रहा है।दिनेश **प्रताप सिंह, मुस्कान ब्रेड**

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफलप्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 15 सितंबर 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 7518828710, 9415608710, 6386474074, 9415608790

युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने राज्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

विद्युतीकरण एवं जलापूर्ति की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)

(डाला) सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ओबरा मंडल अध्यक्ष अरविंद सोनी के नेतृत्व में गुरुवार को समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड को ज्ञापन सौंपा। श्री सोनी ने बताया कि नगर पंचायत ओबरा के विस्तारित क्षेत्र के न्यू कॉलोनी व ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुंडी के वार्ड 9 में विद्युतीकरण अंतर्गत विद्युत पोलों को लगाया जाना अनिवार्य है, क्योंकि उक्त स्थानों पर लकड़ी के खंबे एवं बांसों द्वारा विद्युत व्यवस्था का संचालन अस्थाई रूप से किया जा रहा है। जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है, और बिल्ली मारकुंडी के वार्ड 9 में सरकार की हर घर नल योजना अंतर्गत पाइप लाइनें दौड़ाकर जलापूर्ति कराई जा रही है, लेकिन कनेक्शन अनुसार पाइप की क्षमता कम है, और वही दूसरी ओर प्लास्टिक की पाइपों के सड़क पर होने के कारण आए दिन भारी वाहनों के द्वारा पाइपों को तोड़ दिया जा रहा है, जिससे कई कई दिनों तक जलापूर्ति बाधित हो रही है , इसलिए उक्त स्थानों पर कास्ट आयरन की पाइप लगाकर पुनः कनेक्शनों को वितरित किया जाए। जनहित में मांगो की प्रतिपूर्ति के लिए समाज कल्याण राज्यमंत्री गोंड द्वारा त्वरित कार्यवाही हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। ज्ञापन सौपने के दौरान भारतीय जनता पार्टी डाला मंडल के अध्यक्ष दीपक दुबे, भाजपा नेता तेजवंत पांडे, युवा मोर्चा के मंडल मंत्री रिजवान अहमद, सोशल मीडिया प्रमुख प्रशांत सोनी, संजय जयसवाल इत्यादि लोग मौजूद रहे।

आई0जी0आर0एस0 में प्राप्त प्रार्थना पत्रो के निस्तारण के प्रति गम्भीर हो अधिकारी अन्यथा कार्यवाही निश्चित -जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री संदर्भ में गलत आख्या लगाये जाने पर चुनार के एक लेखपाल पर कार्यवाही के निर्देश परिवहन अधिकारी को वसूली प्रगति कम होने पर शो-काज नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मीरजापुर 07 सितम्बर 2022- जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार ने आज सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व सम्बन्धित अधिकारियो के साथ बैठक कर मुख्य देय, विविध देय, कर एवं करेत्तर, चकबन्दी सहित अन्य राजस्व वसूली प्रगति की समीक्षा की गयी। आई0जी0आर0एस0 के प्राप्त प्रार्थना पत्रो एवं मा0 मुख्यमंत्री संदर्भ की भी समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियो को निर्देशित करते हुये कहा गया कि कई अधिकारियो वे द्वारा आई0जी0आर0एस0 व मुख्यमंत्री संदर्भ से प्राप्त प्रार्थना पत्रो के निस्तारण को गम्भीरता से नही लिया जा रहा है। उन्होने स्पष्ट शब्दो में कहा कि आई0जी0आर0एस0 व विभिनन पोर्टल, सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रो का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुये स्पष्ट अक्षरो में हैंडराइटिंग अथवा टाइप कराकर राजपत्रित अधिकारी के द्वारा हस्ताक्षरोपरान्त ही अपलोड किया जाय। तहसीलो में उप जिलाधिकारी के हस्ताक्षर से ही निस्तारित प्रार्थना पत्रो का परीक्षण करते हुये पोर्टल पर अपलोड किया जाय। उन्होने कहा कि प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर राजस्व टीम मौके पर जाकर ही निस्तारण सुनिश्चित करायें। चुनार तहसील के मुख्यमंत्री पोर्टल से सम्बन्धित प्राप्त एक प्रार्थना पत्र में सम्बन्धित लेखपाल के द्वारा निस्तारित आख्या लगाया गया था परन्तु जिलाधिकारी के द्वारा सम्बन्धित शिकायतकर्ता के मोबाइल पर वार्ता कर फीडबैक लिया गया जिसके द्वारा बताया गया कि कोई भी लेखपाल अधिकारी मौके पर नही आये और नही मामले का निस्तारण किया किया गया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित लेखपाल के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु उप जिलाधिकारी चुनार को निर्देशित किया गया है। उन्होने कहा कि निस्तारित प्रार्थना पत्रो में से कुछ प्रार्थना पत्रो का उप जिलाधिकारी द्वारा फीडबैक अवश्य लिया जाय। मुख्य देय की वसूली की समीक्षा के दौरान स्टाम्प राजस्व कर में मात्र 93 प्रतिशत, आबकारी 86 प्रतिशत, परिवहन 70.21 प्रतिशत होने पर जिलाधिकारी द्वारा खराब प्रगति बताते हुये लक्ष्य के सापेक्ष वसूली पूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। लक्ष्य के सापेक्ष सबसे कम वसूली पर सम्भगीय परिवहन अधिकारी को शो-काज नोटिस देने का निर्देश अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 को दिया गया। नगर पालिका मीरजापुर, अहरौरा, चुनार तथा नगर पंचायत कछवा के भी वसूली के खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये मासिक प्रगति के सापेक्ष वसूली करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में सिचांई, खनिज विभाग, वन विभाग, मंडी समिति, बाट माप के वसूली पर संतोष व्यक्त करते हुये लक्ष्य की पूर्ति करने का निर्देश दिया गया। आर0सी0 के सापेक्ष वसूली में विद्युत, स्टाम्प व परिवहन तथा खनिज में वसूली प्रगति कम पायी गयी। तहसील सदर व चुनार में आर0सी0 के सापेक्ष वसूली बढ़ाने का निर्देश दिया गया। दस बड़े बकाये दारो के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा बकाया जमा न करने पर सम्पत्तियो के कुर्की करने की कार्यवाही का निर्देश दिया गया। वादो के निस्तारण की समीक्षा पॉच वर्ष से अधिक मुकदमो का निस्तारण चुनार में सबसे अधिक 13 निस्तारित किया गया है शेष तहसीलो में पुराने वादो के निस्तारण में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि तहसीलदार अथवा न्यायिक अधिकारी अपने कोर्ट में बैठे तथा वादो का निस्तारण करें। आनलाइन वरासत के संदर्भ में निर्देशित किया गया कि अभियान चलाकर 31 अगस्त तक के सभी लम्बित मामलो का वरासत आनलाइन पूर्ण करा लिया जाय। खसरा फीडिंग तहसील सदर व चुनार में अवशेष मामलो को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने पर बल दिया गया। आपदा राहत की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़, सूखा सहित दुघर्टना आदि मामलो में पूरी पारदर्शिता के साथ सत्यापन करते हुये जनून व्यक्ति हो ही आपदा राहत प्रदान किया जाय। आवास एवं कृषि आवंटन के लक्ष्य को भी पूरा करने पर बल दिया गया। चकबन्दी की समीक्षा के दौरान पॉच वर्ष से अधिक चार गॉव को प्राथमिकता पर चकबन्दी कार्य निस्तारण करने के साथ ही सबसे पुराने गॉव मवैया में चकबन्दी कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया जिस पर उपस्थित चकबन्दी अधिकारी द्वारा बताया गया कि उक्त गॉव के धारा प्रकाशन के लिये मुख्यालय को पत्राचार कर अनुमति मांगी गयी है अनुमति प्राप्त होते ही चकबन्दी का कार्य पूर्ण करा दिया जायेगा। चकबन्दी में दस वर्ष अधिक लम्बित चार मुकदमों तथा 15 वर्ष से अधिक 09 चकबन्दी के गॉव को निस्तारण का निर्देश दिया गया। बैठक में स्वामित्व योजना के अन्तर्गत सदर व चुनार तहसील में पड़ताल पूरा न होने पर तत्काल पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री शिव प्रताप शुक्ल, मुख्य राजस्व अधिकारी श्री सत्य प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर श्री चन्द्रभान सिंह, चुनार श्री नीरज पटेल, मड़िहान श्री अश्वनी कुमार सिंह, लालगंज श्री विजय नारायण सिंह, एस0एल0ओ0 श्री भरत लाल सरोज, डिप्टी कलेक्टर न्यायिक चुनार श्री कृपा शंकर पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर श्री सिद्धार्थ यादव, सभी तहसीलदार व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

भतीजे ने कुल्हाड़ी से हमला कर चाचा को मौत के घाट उतारा, चोपन थाने में आत्मसमर्पण

(आधुनिक समाचार सेवा)

(डाला) सोनभद्र। दुबरा घाटी शिव मंदिर से थोड़ी दूर ओबरा-सलईबनवा मार्ग पर 64 वर्षीय घूमन यादव की उनके भतीजे ने कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। यह वारदात बुधवार की दोपहर हुई। घटना के बाद आरोपित पंकज यादव खुद चोपन थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर लिया है। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी राजकुमार त्रिपाठी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घूमन यादव पुत्र लक्खू निवासी सलईबनवा-पनारी प्रतिदिन की तरह मोटरसाइकिल से दूध लेकर बेचने के लिए ओबरा गए थे। दूध बेचकर दोपहर में घर लौट रहे थे तभी दुबरा घाटी शिव मंदिर के सामने स्थित रेलवे लाइन के समीप पहले से कुल्हाड़ी लेकर घात लगाए बैठे भतीजे पंकज यादव ने घूमन यादव के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जब वह जमीन पर गिर गए तभी भतीजे ने उन पर कुल्हाड़ी व पत्थरों से ताबड़तोड़ कई वार कर मौत के घाट उतार दिया।घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित पंकज वहां से भागकर चोपन थाने पहुंच गया और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मृतक के पुत्र नागेंद्र ने पुलिस को दी। सूचना पर ओबरा थाना प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश मिश्र घटना स्थल पहुंचे। हत्या की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी, सीओ सिटी राजकुमार त्रिपाठी, पिपरी सीओ प्रदीप सिंह चंदेल, चोपन थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत, कस्बा ओबरा प्रभारी अमित कुमार त्रिपाठी, डाला चौकी प्रभारी सुरेश चन्द्र द्विवेदी फोरेंसिक टीम के साथ पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गए। ओबरा थाना प्रभारी ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले पंकज यादव ने चोपन थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी पुलिस ने घटनास्थल से बरामद कर लिया। घटना के पीछे परिवार की आपसी पुरानी रंजिश है। अभी तक मृतक के परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

दर्द से कराहती महिला का मोबाइल टार्च की रोशनी में हुआ प्रसव

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी पर लाखों रुपये खर्च के बावजूद खामियां दूर नहीं हो रही हैं। ताजा मामला चोपन सीएचसी का है। यहां बृहस्पतिवार की रात मोबाइल टार्च की रोशनी में गर्भवती का प्रसव कराया गया।

64 वर्षीय वृद्ध को कुल्हाड़ी से मारकर किया हत्या क्षेत्र में मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)

ओबरा ।सोनभद्र थाना क्षेत्र अंतर्गत के दुबरा घाटी शिव मंदिर से थोड़ी दूर ओबरा-सलईबनवा मार्ग पर एक ब्यक्ति की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई।घटना को अंजाम देने वाला मृतक का सगा भतीजा है जो घटना के बाद सीधे चोपन थाने में जाकर अपने को पुलिस के हवाले कर दिया।घटना आज बृहस्पतिवार की दोपहर दिन दहाड़े निर्मम हत्या की घटना से लोगों में हड़कंप मचा गया प्राप्त जानकारी के अनुसार घूमन यादव(64) पुत्र लक्खू निवासी सलईबनवा-पनारी प्रति दिन की तरह बाइक द्वारा दूध लेकर बेचने के लिए ओबरा गये थे।दूध बेचकर दोपहर में बाइक से अपने गाँव सलईबनवा आ रहे थे।तभी दुबरा घाटी शिव मंदिर के सामने स्थित रेलवे लाइन के समीप पहले से कुल्हाड़ी लेकर घात लगाये बैठा ब्यक्ति ने घूमन यादव के सिर प्रहार कर दिया जिसके बाद वह नीचे गिर गये।तभी उन पर कुल्हाड़ी व पत्थरो से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया।घटना को अंजाम देने वाला वहा से भागकर चोपन थाने पहुँच गया और वह अपने को पुलिस के हवाले कर दिया हत्या की घटना को अंजाम देने वाला दूसरा कोई नहीं बल्कि उसका सगा भतीजा पंकज यादव पुत्र खदेरन निवासी सलईबनवा-पनारी का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना की सूचना मृतक के पुत्र नागेंद्र द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना पर ओबरा थाना प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश मिश्रा मय फोर्स के साथ घटना स्थल पहुंच गए है।हत्या की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी,सीओ सिटी राजकुमार त्रिपाठी,पिपरी सीओ प्रदीप सिंह चंदेल,चोपन थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत,कस्बा ओबरा प्रभारी अमित कुमार त्रिपाठी,डाला चौकी प्रभारी सुरेश चन्द्र द्विवेदी और जिले से फोरेंसिक टीम पहुँच कर जाँच पड़ताल में जुटी रही। घटना को अंजाम देने वाला पंकज यादव ने चोपन थाने में अपने को सरेन्डर कर दिया है।घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी पुलिस ने घटना स्थल से बरामद कर लिया है ।घटना के पीछे परिवार की आपसी पुरानी रंजीश लग रहा है। समाचार लिखे जाने तक मृतक के परिजनो द्वारा कोई तहरीर नहीं दिया गया है।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एक किग्रा 450ग्राम अवैध गांजे के साथ एक अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त सूरज कुमार भारती पुत्र राजेन्द्र भारती, निवासी ज्वालामुखी कालोनी कोटा बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 20 वर्ष को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 01 किग्रा 450 ग्राम गांजा बरामद किया गया । उपरोक्त बरामदगी के सम्बंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-123/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तारी का विवरण** - 01. सूरज कुमार भारती पुत्र राजेन्द्र भारती, निवासी ज्वालामुखी कालोनी कोटा बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र ,उम्र लगभग 20 वर्ष । **बरामदगी का विवरण**- 1. कुल 01 किग्रा 450 ग्राम गांजा । **पुलिस टीम का विवरण**- 1. उप निरीक्षक शिव कुमार सिंह, चौकी प्रभारी रेनूकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 राम दुलारे यादव, चौकी रेनूकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 3. का0 सुनील यादव, चौकी रेनूकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र ।

मंत्री ने श्रम संगठनों के पदाधिकारियों से मिलकर सुनी समस्याएं

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। दो दिवसीय भ्रमण पर आए प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने शुक्रवार को श्रम संगठनों के पदाधिकारियों से भेंटकर उनकी समस्याएं जानीं। हालांकि कई श्रम संगठनों ने समस्या निस्तारण के बजाय उन पर सिर्फ ज्ञापन लेकर फोटो खिंचवाने का आरोप लगाया है। ऊर्जांचल की बिजली और कोयला परियोजनाओं में व्याप्त समस्याओं के समाधान और वार्ता करने के लिए शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर की ओर से परियोजनाओं में कार्यरत सभी श्रम संगठनों के साथ बैठक प्रस्तावित थी। इसके लिए बुधवार को ही सभी संगठनों के पदाधिकारियों को जानकारी दी गई थी। सीआईटीयू के राज्य मंत्री विशंभर सिंह ने बताया कि उप श्रमायुक्त की ओर से पत्र जारी कर सभी श्रम संगठन के पदाधिकारियों को सर्किट हाउस में बैठक होने की जानकारी दी गई थी।

बिजली की समस्याओं से आजिज उपभोक्ताओं ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र।चूड़ी गली के रहवासियों ने शुक्रवार को विद्युत समस्याओं को लेकर बाजार स्थित विद्युत कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मांग की कि जर्जर विद्युत तारों को तत्काल दुरुस्त कराया जाएगा। उपभोक्ताओं ने कहा कि एक सप्ताह से हम लो वोल्टेज की समस्या झेल रहे हैं। अशोक कननैजिया, जाबिर, मुमताज आदि ने बताया कि सरकार भले ही विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने की बात कह रही है लेकिन सुचारु रूप से बिजली नहीं मिल पा रही है। तार जर्जर हो गए हैं। इस कारण फाल्ट की समस्या बनी रहती है। बार-बार तार टूट कर गिर जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि जेई को कई बार समस्या से अवगत कराया गया लेकिन कोई सार्थक पहल नहीं की जा रही। विद्युत कार्यालय पर प्रदर्शन कर लोगों की आवाज सुनकर उन्हें समझाने आए अवर अभियंता अनुज कुमार की बातों से उपभोक्ता संतुष्ट नहीं हुए। लिहाजा उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों से विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

शतक के बाद कोहली को ओपनिंग देने के सवाल पर भड़के केएल राहुल कहा- तो क्या मैं खुद बाहर बैठ जाउं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप के आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ काफी अच्छा खेल दिखाया। बड़ी जीत के साथ टीम इंडिया ने टूर्नामेंट का अंत किया और सबसे राहत की खबर विराट कोहली को लेकर आई। लंबे समय से चले आ रहे शतक के सूखे को उन्होंने इस मैच में खत्म किया। मैच के बाद केएल राहुल को जब इस पर सवाल किया गया तो वह भड़क गए। विराट कोहली ने लगभग तीन साल के लंबे सूखे को अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप सुपर फोर के मुकाबले में खत्म किया। उन्होंने टी20 में पहली शतक जमाने के साथ ही भारत को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया। 61 गेंद पर कोहली ने 12 चौके और 6 छक्के जमाते हुए 122 रन की नाबाद पारी खेली। भारत ने 2 विकेट के नुकसान पर 212 रन का स्कोर खड़ा किया। इस मैच में केएल राहुल के साथ विराट ने पारी की शुरुआत की थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी निभाई थी।केएल से मैच के बाद जब पूछा गया कि कोहली ने पारी की शुरुआत करते हुए शानदार शतक जमाया और आइपीएल में भी उन्होंने ओपनिंग में ही चार शतक जमाए है। पिछले साल उन्होंने पारी की शुरुआत करने की इच्छा भी जताई थी तो क्या उनको ये जगह मिल सकती है। इस सवाल पर राहुल ने चिढ़ते हुए जवाब दिया, तो क्या मैं बाहर बैठ जाउं, कमाल है यारराहुल बोले, देखिए विराट कोहली का रन बनाना टीम के लिए एक बहुत ही बड़ा बोनस है। जिस तरह से उन्होंने आज खेला, मतलब मुझे पता है कि वह अपनी आज की इस पारी से बहुत ही संतुष्ट हैं। जो पिछले दो तीन सीरीज से अपनी बल्लेबाजी पर काम करते आ रहे हैं वो काफी अच्छे से नजर आया। एक टीम के तौर पर यह बहुत जरूरी है कि वर्ल्ड कप में जाने से पहले हर खिलाड़ी को मैदान पर ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताने का मौका मिले। अगर ऐसी दो तीन पारी खेलते हैं तो विश्व कप में जाने से पहले आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा और हमारे पास मौका होगा टूर्नामेंट को जीतने का।आप सभी विराट कोहली को जानते हैं, इतने दिनों से सभी उनको देखते आ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अगर वह पारी की शुरुआत करेंगे तभी पांच शतक लगाएंगे। वह नंबर तीन पर खेलेगे या छह सात पर भी जाकर बना सकते हैं। यह सब कुछ टीम में मिलने वाली भूमिका पर निर्भर करता है। आज जो उनकी भूमिका टीम में थी उसे उन्होंने बहुत अच्छे से निभाया। अगली सीरीज में जब हम खेलेंगे तो उनकी भूमिका अलग होगी।

मैच में कैसी होगी पाकिस्तान और श्रीलंका की प्लेइंग इलेवन, बाबर आजम पर नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप के फाइनल में जगह पहले ही पक्की कर चुकी पाकिस्तान और श्रीलंका की टीम सुपर फोर के आखिरी मुकाबले में खेलने उतरेंगी। इस मुकाबले के नतीजे से टूर्नामेंट में किसी तरह का कोई फर्क नहीं पड़ने वाले लेकिन फाइनल से पहले खिलाडियों को आजमाने का दोनों टीम के पास मौका होगा। इस मुकाबले को प्रैक्टिस मैच के तौर पर देखा जा रहा है। चलिए जान लेते हैं अब तक इस टूर्नामेंट में बाद में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ज्यादातर जीत मिली है। ऐसे में पाकिस्तान और श्रीलंका के कप्तान टॉस जीतकर यहां पहले गेंदबाजी करना चाहेंगे। दुबई की पिच के मिजाज की बात करें तो यह सपाट रह सकती है। इसका मतलब है बल्लेबाजों को रन बनाने में पाकिस्तान के कप्तान बाबार आजम को फाइनल से पहले फॉर्म में वापसी का अच्छा मौका मिलेगा। दबाब के बिना मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ लय हासिल कर सकते हैं। पाकिस्तान के मिडिल आर्डर के पास भी बेहतर करने का मौका होगा। टीम को अफगानिस्तान मुश्किल से जीत मिली थी। श्रीलंका की टीम ने पहला मुकाबला हारने के बाद जबरदस्त वापसी की है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी को टीम और भी पुख्ता पथुम निसानका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, गुणाथिलका, भानुका राजपस्का, दासुन शनका (कप्तान), वनिन्दु हसरंगा, महेश तीक्ष्णा, चमिका करुणारत्ने, मदुशंका, असिथा फर्नांडो।

पाकिस्तान की टीम टी20 डब्लूसी 2022 में और हो जाएगी खतरनाक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पाकिस्तान की टीम ने एशिया कप 2022 में जिस तरह का खेल दिखाया और बाबर आजम के नहीं चलने के बावजूद ये टीम फाइनल तक पहुंची वो कमाल का रहा। एशिया कप 2022 के जरिए टी20 वर्ल्ड कप 2022 में हिस्सा ले रही टीमें अपनी तैयारियों को तौल रही है और इसमें पाकिस्तान की टीम तो फिलहाल पास हो गई। टी20 वर्ल्ड कप 2022 का आयोजन ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर-नवंबर में किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाली हर टीम का लक्ष्य इस टाइटल को जीतना होगा और पाकिस्तान की भी यही सोच होगी और इस टीम ने इसके लिए एक शानदार पहल भी की। इस टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज मैथ्यू हेडेन को पाकिस्तान टीम का मेंटर बनाया गया है और इसकी घोषणा शुक्रवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा की गई। पीसीबी ने पिछले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी हेडेन को पाकिस्तान क्रिकेट टीम का सलाहकार बल्लेबाजी कोच बनाया था। पिछले टी20 वर्ल्ड कप यानी 2021 में पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी, लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाई थी। पाकिस्तान ने सुपर 10 लीग मैचों में भारत, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, स्कॉटलैंड और नामीबिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटर बनने के बाद मैथ्यू हेडेन ने कहा कि मै ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ जुड़ने को लेकर काफी उत्साहित हूं। मैंने देखा है कि पाकिस्तान ने एशिया कप 2022 में किस तरह का प्रदर्शन किया है और सुपर फोर मैच में इस टीम ने भारत को किस तरह से हराया।

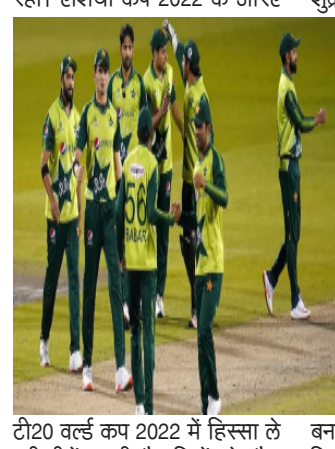

विराट कोहली के शतक के बाद भी गंभीर ने उठाया सवाल, कहा- नहीं मिल सकती उनको टीम में ये जगह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप का अंत अफगानिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत के साथ किया। इस मैच में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के बल्ले से शानदार शतकीय पारी देखने को मिली। टी20 इंटरनेशनल में यह उनका पहला जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट में लगभग तीन साल के बाद लगाया शतक था। कोहली की इस पारी को देखने के बाद हर किसी ने तारीफ की। पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर भी इस पारी को देख खुश नजर आए लेकिन उन्होंने फैंस को एक सलाह भी दे डाली।एशिया कप के सुपर फोर के आखिरी मुकाबले में गुरुवार को भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ 101 रन से जीत हासिल की। भारत ने विराट कोहली के 122 रन की तूफानी पारी के दम पर 2 विकेट के नुकसान पर 212 रन का स्कोर खड़ा किया था। पारी के दौरान कोहली ने 61 गेंद का सामना किया और 12 चौके, 6 छक्के जमाते हुए यह रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम भुवनेश्वर कुमार की धारदार गेंदबाजी के आगे 8 विकेट पर 111 रन ही बना पाई।मैच खत्म होने के बाद विराट के पारी को लेकर चर्चा करते हुए गंभीर ने कई बातें कही। उन्होंने कहा, देखिए ये जो विराट की पारी है वो बहुत ही शानदार रही। जिस तरह की बल्लेबाजी उनसे देखना चाहते थे, आज के इस मैच में वैसा ही देखने को मिला। कोहली ने पारी की शुरुआत करते हुए बेहतरीन पारी खेली, जिस तेजी से और जैसे शॉट्स उनके बल्ले से निकले लोग यही देखना चाहते हैं।विराट कोहली के फॉर्म को लेकर सवाल उठाया जा रहा था, बतौर खिलाड़ी उनको लेकर कभी कोई सवाल नहीं था। कोहली की जगह लेने वाला कोई खिलाड़ी है ही नहीं है। विश्व क्रिकेट में जो काम कोहली ने किया है उसको देखने के बाद उनकी जगह कोई ले ही नहीं सकता। हां लेकिन कोहली की इस पारी दो देखने के लिए अब ये सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए कि उनको ओपनिंग में क्यों नहीं दी जाती।देखिए यह पारी अच्छी थी लेकिन इसके बाद लोगों को कोहली के ओपनिंग करने को लेकर बात नहीं करनी चाहिए। मैंने सूर्यकुमार को पारी की शुरुआत करने के लिए जरूर बोला था क्योंकि उनका फॉर्म ऐसा है। विराट को तीसरे नंबर पर ही खेलने आना चाहिए। यही जगह है जो उनको ज्यादा सूट करती है।

अजिंक्य रहाणे व पृथ्वी शॉ ने लगाया शतक, यशस्वी जयसवाल ने ठोका फर्स्ट क्लास क्रिकेट का पहला दोहरा शतक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दुलीप ट्रॉफी 2022 के पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वेस्ट जोन के टॉप तीन बल्लेबाजों ने धमाल मचा दिया। नॉर्थ-ईस्ट जोन के खिलाफ वेस्ट जोन की तरफ से पृथ्वी शॉ शतक लगाकर आउट हो गए तो वहीं अजिंक्य रहाणे शतक लगाकर क्रीज पर टिके है जबकि युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने इस मैच में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना पहला दोहरा शतक लगाया और बल्लेबाजी कर रहे हैं। इस मैच में नॉर्थ-ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्ट जोन की तरफ से ओपनिंग के लिए पृथ्वी शॉ और यशस्वी जयसवाल मैदान पर उतरे। पृथ्वी शॉ ने 121 गेंदों पर 5 छक्के और 11 चौकों की मदद से 113 रन की पारी खेली और आउट हो गए। पहले विकेट के लिए पृथ्वी शॉ और यशस्वी के बीच 206 रन की दोहरी शतकीय साझेदारी हुइ वहीं इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए अजिंक्य रहाणे आए और उन्होंने भी शतकीय पारी खेली। खबर लिखे जाने तक रहाणे 187 गेंदों पर 5 छक्के और 8 चौकों की मदद से 138 रन बना चुके है और नाबाद है। वहीं यशस्वी जयसवाल की पारी की जितनी भी तारीफ की जाए वो कम है। यशस्वी ने इस मैच की पहली पारी में अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का पहला दोहरा शतक लगाने में सफलता हासिल की। रहाणे के साथ दूसरे विकेट के लिए यशस्वी अब तक नाबाद 265 रन की साझेदारी कर चुके है। यशस्वी जयसवाल ने अपनी टीम वेस्ट जोन के लिए बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे है और इस वक्त वो दोहरा शतक लगाकर नाबाद क्रीज पर मौजूद है। खबर लिखे जाने तक यशस्वी जयसवाल ने 302 गेंदों पर 209 रन बना लिए है। इस पारी के दौरान उन्होंने 2 छक्के और 22 चौके लगाए है। वहीं इस टीम के टॉप तीन बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर वेस्ट जोन ने एक विकेट खोकर 471 रन बना लिए है।

सफेद गेंद को लेकर भुवनेश्वर कुमार ने बताई दिलचस्प बात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार ने टी20 क्रिकेट करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया है। इस मैच में भुवी ने 4 ओवर में सिर्फ 4 रन देकर 5 विकेट लिए और एक ओवर मेडन भी फेंका। मैच खत्म होने के बाद भुवनेश्वर कुमार ने कहा, 'आज उनका दिन काफी अच्छा था, मैनें पावरप्ले में विकेट लिए। आप अगर वाइट बॉल के बारे में मुझसे पूछें ते मैं आपको बता दूं कि वाइट बॉल ज्यादा स्विंग नहीं करती है।भुवनेश्वर कुमार ने आगे कहा, 'हालांकि, आज मैंने बॉल को स्विंग कराने की खूब कोशिश की और मैं सफल भी रहा। भुवनेश्वर कुमार ने आगे कहा,'आज मैं जहां बॉलिंग कर रहा था वहां, मुझे सफलता मिल रही थी।' उन्होंने आगे कहा कि पिछले दो मुकाबलों यानी श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें बॉल को ज्यादा स्विंग कराने में कामयाबी नहीं मिली।' उन्होंने कहा कि सफेद गेंद का स्विंग होना काफी अप्रत्याशित है।भुवनेश्वर कुमार ने दीपक चाहर के बारे में जिक्र करते हुए कहा, 'चाहर इस समय चोट के बाद वापसी कर रहे है। वो भी बॉल को दोनों ओर स्विंग कराने में सक्षम है। उन्हें लय में आने के लिए कुछ वक्त की जरुरत है। एशिया कप के बारे में उन्होंने बताया कि आगामी टी-20 विश्व कप से पहले एशिया कप हमारे लिए (टीम) लिए एक अच्छा टूर्नामेंट रहा।एशिया कप 2022 में भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ आखिरी मैच खेला। इस टूर्नामेंट के सुपर-4 राउंड में पाकिस्तान और श्रीलंका से मिली हार के बाद भारत के लिए फाइनल में पहुंचना बिल्कुल नामुकिन हो चुका था। भारत ने अफगानिस्तान को एशिया कप 2022 के अपने आखिरी मुकाबले में 101 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 212 रन बनाए। इस विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई है। अफगानिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 111 रन ही बना सकी।

फाइनल से पहले प्रैक्टिस में उतरेगी पाकिस्तान और श्रीलंका

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप 2022 के फाइनल से पहले सुपर फोर में पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच मुकाबला खेला जाना है। दोनों ही टीमें फाइनल में पहुंच चुकी है और यह मैच प्रैक्टिस की तरह होने वाली है। इस मैच के नतीजे के टूर्नामेंट पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। दोनों ही टीमों के पास यहां फाइनल से पहले अपने खिलाड़ियों को आजमाने का मौका होगा।पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच एशिया कप सुपर 4 का यह मैच 9 सितंबर, शुक्रवार को होगा।पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच एशिया कप सुपर 4 का यह मैच कहां होगा पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच एशिया कप सुपर 4 का यह मैच दुबई के दुबई क्रिकेट इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। कितने बचे शुरू होगा पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच एशिया कप सुपर 4 का यह मैच पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच एशिया कप सुपर 4 का यह मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा जबकि इस मैच का टॉस शाम 7 बजे हो जाएगा।

टी20 विश्व कप के लिए होने वाली है टीम इंडिया की घोषणा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आइसीसी टी20 विश्व कप का आयोजन इस साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में किया जाना है। टूर्नामेंट के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया समेत कई बोर्ड ने अपनी विश्व कप की टीम घोषित कर दी है। टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले कुछ दिनों में की जानी है। चयनकर्ताओं की चिंता तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस है। एशिया कप में किए गए प्रयोग टीम इंडिया की आइसीसी टी20 विश्व कप को लेकर चल रही तैयारी का हिस्सा थे। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट से पहले हर खिलाड़ी को आजमाना चाहते थे। टी20 विश्व कप के लिए चुनी जाने वाली टीम की घोषणा अगले हफ्ते तक की जा सकती है। ऊध्य् के मुताबिक चयनकर्ता जल्दी ही बैठकर ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम का चयन करेंगे। 16 सितंबर यानी अगले शुक्रवार को टीम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है।इंग्लैंड में खेली गई सीरीज के बाद से ही बुमराह चोट की वजह से टीम से बाहर है। पीठ की चोट की वजह से वह इंग्लैंड के दौरे से बाद बाहर हुए थे। वह इस वक्त नेशनल क्रिकेट अकादमी में रिहैब से गुजर रहे हैं। एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कुछ दिन पहले ही बुमराह के रिहैब की तस्वीर साझा की थी। वहीं हर्षल पटेल भी अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए मेहमत कर रहे हैं।

राशिफल

मेष-: शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान और योग उपयोगी रहेगा। बुद्धिमानी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा, इसलिए अपनी मेहनत की कमाई को सोच-समझकर ही निवेश करें।

वृष-: आज का दिन आपके लिए बढिया रहेगा। यदि आप अपने जीवन साथी से स्नेह की अपेक्षा रखते हैं तो आज का दिन आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा। लवमेट के साथ आज कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन-: आज आप में से कुछ लोग महत्वपूर्ण निणय् लेने पर मजबूर हो सकते हैं, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं. घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें।

कर्क-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बेरोजगार हैं उन्हें आज किसी अच्छी कंपनी से नौकरी का ऑफर मिल सकता है। लंबी यात्रा के कारण आपको थोड़ी थकान महसूस हो सकती है

सिंह-: बेचैनी आपकी मानसिक शांति भंग कर सकती है. अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित स्थान पर रखें, जो आपको भविष्य में वापस मिल सके। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें।

कन्या-: आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे. आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा. आज आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। बड़ों का प्यार और आशीर्वाद मिलेगा। आज बाहरी यात्राओं का दौर रहेगा और यह यात्रा सुखद भी रहेगी।

वृश्चिक-: आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। हार न मानें और मनचाहा परिणाम पाने के लिए कड़ी मेहनत करें। इन असफलताओं को प्रगति का आधार बनाएं। मुश्किल समय में रिश्तेदार भी काम आएंगे।

धनु-: इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक बीमारी का रूप ले लें, आपको उन्हें खत्म कर देना चाहिए. आप किसी धर्मार्थ कार्य में भाग लेकर ऐसा कर सकते हैं, जिससे आपको मानसिक संतुष्टि मिलेगी।

मकर-: आज ऑफिस में लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है. इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको अपने लवमेट के साथ समय बिताने की जरूरत है।

कुंभ-: आज आपको थकान महसूस होगी और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आ सकता है. आज आपको जमीन, जमीन जायदाद या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान देने की जरूरत है।

मीन-: आज आपका ध्यान रचनात्मक कार्यों में रहेगा. आज आप कोई नई रचना भी शुरू कर सकते हैं। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप किसी सामाजिक संगठन से जुड़ने का मन बना सकते हैं।

सम्पादकीय

सावधान रहें आंदोलनजीवियों से केवल विरोध के लिए विरोध करने वालों का देशहित से कोई लेना-देना नहीं

आज से कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू हो रही है। यह यात्रा कांग्रेस का जनाधार बढ़ाने में कितनी सहायक होगी, यह भविष्य ही बताएगा। इस यात्रा में कांग्रेस के साथ दो सौ से अधिक ऐसे लोग भी जुड़ रहे हैं, जो मूलतः कांग्रेसी नहीं हैं। इनमें से कुछ के पास राजनीतिक किस्म के अपने संगठन भी है, जैसे कि योगेंद्र यादव का स्वराज इंडिया। चंद दिनों पहले उन्होंने संयुक्त किसान मोर्चे की समन्वय समिति से त्यागपत्र दे दिया था। माना जाता है कि इसका कारण कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होना है। योगेंद्र यादव के साथ प्रशांत भूषण और प्रो. आनंद कुमार भी भारत यात्रा से जुड़ रहे हैं। ये वही लोग हैं, जिन्होंने एक समय अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर मनमोहन सिंह सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ी थी। अब वे मोदी सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों से लड़ने के लिए कांग्रेस का साथ देना आवश्यक समझ रहे हैं। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन कांग्रेस आंदोलनजीवियों से सतर्क रहे तो बेहतर। इसलिए और भी, क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद योगेंद्र यादव ने कहा था-कांग्रेस मस्ट डाई। योगेंद्र यादव ने कांग्रेस के खत्म हो जाने की जरूरत पर इसलिए बल दिया था, क्योंकि उनकी समझ से वह विकल्प तैयार करने में सबसे बड़ा रोड़ा है। लगता है अब कांग्रेस के बारे में उनके विचार बदल गए हैं। यह भी कोई नई-अनोखी बात नहीं। समय के साथ व्यक्ति के विचार बदलते हैं। योगेंद्र यादव भले ही किसान नेता, राजनीतिक विश्लेषक, चुनावी विशेषज्ञ आदि के रूप में जाने जाते हों, लेकिन पिछले कुछ समय में उनकी छवि आंदोलनजीवी की बनी है। यह इस कारण बनी है कि पहले वह इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से जुड़े, फिर नागरिकता संशोधन कानून विरोधी आंदोलन से और इसके बाद कृषि कानून विरोधी आंदोलन से। फिलहाल इसका आकलन करना कठिन है कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से योगेंद्र यादव सरीखे कितने और आंदोलनजीवी जुड़ रहे हैं, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि अपने देश में आंदोलनजीवियों की कमी नहीं। योगेंद्र यादव सरीखी एक और आंदोलनजीवी मेधा पाटकर भी इन दिनों चर्चा में हैं। इसका कारण बीते रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से गुजरात में दिया गया यह बयान है कि उन्हें पिछले दरवाजे से राज्य की राजनीति में लाने की कोशिश की जा रही है। उनका संकेत आम आदमी पार्टी की ओर था। संयोग (मेधा पाटकर के लिए दुयीग) से इसी दिन अर्थशास्त्री स्वामीनाथन अय्यर ने अपने एक लेख के जरिये इस पर अफसोस जताया कि किस तरह एक समय वह मेधा के झांसे में आ गए थे और उनकी बातों से प्रेरित होकर उन्होंने नर्मदा परियोजना के विरोध में लिखा था। अपने ताजा लेख में उन्होंने यह भी लिखा, 'यह साफ है कि मैं गलत था। मेधा ने न केवल मुझे, बल्कि हजारों मानवतावादियों को मूर्ख बनाया।' पता नहीं ये हजारों लोग कौन थे, लेकिन यह सबको पता है कि कथित किसान आंदोलन के दौरान किस तरह हजारों किसानों को झूठ का सहारा लेकर मूर्ख बनाया गया। इससे भी कोई अनभिज्ञ नहीं कि नागरिकता संशोधन कानून को लेकर किस तरह हजारों लोगों और विशेष रूप से मुसलमानों को मूर्ख बनाया गया। जिस कानून का किसी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं था, उसके बारे में यह झूठ फैलाया गया कि उसके जरिये भारत के मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान भी यह झूठ बार-बार दोहराया गया कि इन कानूनों के जरिये किसानों की जमीन छीन ली जाएगी। इन दोनों आंदोलनों में योगेंद्र यादव की सक्रियता किसी से छिपी नहीं। बात हो रही थी मेधा पाटकर की, तो उन्होंने इसका खंडन किया है कि वह गुजरात में आम आदमी पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद की दावेदार हो सकती हैं, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि उन्होंने 2014 में इसी पार्टी की प्रत्याशी के रूप में मुंबई से चुनाव लड़ा था। मेधा पाटकर नर्मदा बचाओ आंदोलन के लिए जानी जाती हैं। वह इसी नाम से बनाए गए संगठन की संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने दशकों तक इस परियोजना का विरोध किया। धीरे-धीरे उनके इस आंदोलन में कथित पर्यावरणविद, मानवाधिकारवादी आदि शामिल हो गए। इस परियोजना का विरोध इतना अधिक बढ़ा कि विश्व बैंक आर्थिक सहयोग देने के अपने वादे से पीछे हट गया।

बरसात में बदहाल होते महानगर, बेंगलुरु की तरह अन्य शहरों को भुगतना पड़ेगा प्रकृति से छेड़छाड़ का नुकसान

इसे महज बहाना ही अधिक माना जाना चाहिए कि बरसात का नब्बे साल का रिकार्ड टूट गया, इसलिए सिलिकान सिटी के रूप में मशहूर बेंगलुरु डूब गया। बेंगलुरु दुनिया के उन शहरों में शुमार है, जिस पर केपटाउन की तरह 'शून्य जल' की आशंका वाली तलवार लटकी हुई है। बेंगलुरु में इस मौसम में ही कम से कम तीन बार शहर की सड़कों पर भारी सैलाब देखा गया। बीते रविवार की रात रिकार्ड 131.6 मिमी बारिश हुई, जिसे एक दिन में इस शहर की अब तक की तीसरी सबसे अधिक बारिश कहा गया। इससे सारा शहर जलमग्न हो गया, सड़कों पर नाव चलने लगीं। बहुमंजिला इमारतों में पहली मंजिल तक पानी था। जिन लोगों को दफ्तर जाना जरूरी था, वे ट्रैक्टर का सहारा लेने को विवश हुए। महंगी कारें सड़कों पर उतराने लगीं। चूंकि जलभराव था इसलिए बिजली भी गुल और पेयजल से लेकर खाने तक का संकट हो गया।एक समय बेंगलुरु में जल निधियों का ऐसा जाल हुआ करता था कि लगातार सात दिन भी बरसात हो तो कहीं जल जमाव की नौबत न आए, लेकिन समय के साथ शहर की झीलों पर बस्तियां बस गईं और जो बचीं, उनमें कूड़ा-करकट भर दिया गया। किसी नगर के नैसर्गिक पर्यावास से छेड़छाड़ करने का नुकसान समाज को किस तरह भुगतना पड़ता है, बेंगलुरु इसकी ताजा बानगी है। अकेले बेंगलुरु ही नहीं, चेनन्ई हो या मुंबई, अब हर साल थोड़ी सी बरसात में ये महानगर त्राहि-त्राहि करते दिखते हैं। आम तौर पर हर जगह बरसात के आधिक्य और सीवेज सिस्टम पर ठीकरा फोड़ा जाता है, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि ये सभी शहर ऐसी नदियों, तालाबों और झीलों की नैसर्गिक सौगात से संपन्न रहे हैं, जो हर तरह की बरसात को अपने में समा लेने में सक्षम थे। हमने अपने लोभ में इन जल निधियों को खत्म कर दिया। इसके ही दुष्परिणाम हमें भुगतने पड़ रहे हैं। बेंगलुरु की नालियों और सीवरों की क्षमता महज 80 मिमी बारिश झेलने की है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि शहर की जल निधियों की क्षमता भी इतनी ही है। इस महानगर की सबसे व्यस्त सड़क होसूर रोड के पानी से लबालब होने का खामियाजा कई आइटी कंपनियों और बीपीओ को भुगतना पड़ा। आवागमन बंद था, सो वहां काम ठप हो गया। असल में होसूर रोड पर आई कयामत का कारण इस सड़क पर स्थित सभी सात झीलों का लबालब होकर उफन आना था। बेंगलुरु हो या अन्य महानगर, उनके तालाब सदियों पुराने तालाब-शिल्प का बेहतरीन उदाहरण हुआ करते थे। बीते दो दशकों के दौरान बेंगलुरु के तालाबों में मिट्टी भरकर कालोनी बनाने के साथ-साथ तालाबों में पानी की आवक और निकासी को भी पक्के निर्माणों से रोक दिया गया। इस शहर के 43 तालाब देखते ही देखते मैदानों और फिर दुकानों-मकानों में तब्दील हो गए और आज बाढ़ का असर वहां ही ज्यादा होता है, जहां ये तालाब थे। कर्नाटक गोल्फ क्लब के लिए चल्लाघट्टा झील को सुखाया गया, तो कांतीरव स्टेडियम के लिए संपंगी झील से पानी निकाला गया। अशोक नगर के फुटबाल स्टेडियम की जगह तालाब हुआ करता था। इसी तरह आज जहां साईं हाकी स्टेडियम है, वहां अक्कीतम्मा झील थी। अगासना तालाब अब गायत्री देवी पार्क बन गया है। बेंगलुरु जैसी कहानी मुंबई की भी है। मुंबई में बाढ़ का असली कारण महानगर की चार नदियों- मीठी, दहिसर, ओशिवारा और पोइसर को सीवर में बदल देना है। ये नदियां महज बरसात के पानी को समेटकर सहजता से समुद्र तक पहुंचाने का काम ही नहीं करती थीं, बल्कि उनके तट पर बसे मैंग्रोव वनों के चलते बाढ़ बस्ती तक नहीं जा पाती थी। हैदराबाद में मशहूर हुसैन सागर के साथ-साथ उस्मान सागर, हिमायत सागर, सिंगानूर,मंजीरा और अक्कमपल्ली तालाब के चारों तरफ अतिक्रमण हुए और पानी की जगह मलबे और गंदगी ने ली। इससे बरसात का पानी अब गली-मुहल्लों में भरने लगा। चेनन्ई में बाढ़ शहर के बीच से गुजरती दो नदियों- अद्यार एवं कुवम और ब्रिटिश सरकार द्वारा बनवाई चार सौ किमी लंबी नहर के कूड़े से भरने और अतिक्रमण के कारण ही आती है। यहां भी नदी के किनारों को मिट्टी से पाटकर बड़े-बड़े माल खड़े कर दिए गए। हमें यह समझना होगा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में अनियमित और चरम बरसात एक आम बात होगी और इसके लिए अब महानगरों को तैयार रहना होगा। उनके पुराने सीवर सिस्टम में सुधार से भी ज्यादा जरुरी है कि हर तालाब, नदी या झील के जलग्रहण क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त किया जाए। झीलों को उथला बना रही गाद को निकाला जाए। कहने को तो कर्नाटक सरकार ने बाकायदा झील विकास प्राधिकरण का गठन कर रखा है, लेकिन इस संस्था के पास झीलों में हो रहे अतिक्रमण या फिर विकास के नाम पर उन्हें उजाड़ने से रोकने की कोई ठोस योजना नहीं है। पिछले अनुभव यही कड़वा सच उजागर करते है कि हजारों तालाबों का जीर्णोद्धार सरकार की बदौलत होने से रहा। कर्नाटक सरकार अब जन सहयोग के भरोसे 60 प्रतिशत तालाबों की सफाई की योजना बना रही है। अब यदि महानगरों को अपने वैभव को डूबने से बचाना है तो लोगों को ही अपने नगरों के बचे-खुचे सरोवरों-छोटी नदियों के संरक्षण के लिए आगे आना होगा। ऐसे कई उदाहरण दूरस्थ अंचलों में देखने को मिले है, जहां ग्रामीणों ने अपने संसाधनों से ही अपने भविष्य के लिए प्रकृति की जल निधियों की देखभाल का जिम्मा उठाया। यह काम अब हर छोटे-बड़े नगरों-महानगरों को करना होगा, अन्यथा उन्हें वैसे ही हालात से जूझना होगा, जिससे आज बेंगलुरु जूझ रहा है।

समस्याओं से जूझती विवाह संस्था, शादी को लेकर युवा पीढ़ी का घटता मोह चिंताजनक

बीते दिनों केरल उच्च न्यायालय की इस टिप्पणी ने सारे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा कि 'नई पीढ़ी विवाह को बुराई के रूप में देखती है और आनंद से जीने के लिए इससे बचना चाहती है। लिव इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ रहा है।' यह समाज के लिए चिंता का विषय है। उच्च न्यायालय ने इस चलन को वैवाहिक संबंधों के मामले में 'यूज एंड थ्रो' वाली संस्कृति की संज्ञा दी। उसने विवाह के प्रति युवा पीढ़ी के घटते मोह पर भी अपनी चिंता प्रकट की। यह चिंता स्वाभाविक भी है, क्योंकि विवाह संस्था पर ही समाज की आधार भूमि खड़ी है। अगर यह प्रभावित होगी तो स्वाभाविक रूप से इसका प्रभाव सामाजिक संरचना पर भी पड़ेगा। विवाह संबंधों के बिखराव एवं भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, परंतु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब उत्पन्न हुई, जब ये आवश्यकताएं वैवाहिक संबंधों की परिधि से बाहर प्राप्त होने लगीं। यहीं से विवाह की आवश्यकता को नकारा जाने लगा और विवाह उत्तरदायित्वों का अंतहीन बोझ प्रतीत होने लगा। जो युवा येन-केन प्रकारेण विवाह संबंधों में बंध भी गए, उनमें से कुछ को यह निणर्य गलत प्रतीत होता है और इसका एक बहुत बड़ा कारण स्व-श्रेष्ठता का भाव है। यह स्त्री और पुरुष दोनों में ही समान रूप से व्याप्त होता दिखता है। स्वयं की विचारधारा, मूल्यों और जीवन जीने के तरीकों को श्रेष्ठ मानते हुए अपने साथी के प्रति हीन भाव रखना या उसे

पर अमूमन पश्चिमी संस्कृति को दोष देने की मानसिकता दृष्टिगोचर होती है, परंतु क्या पश्चिमी देशों को उलाहना देने मात्र से भारत में बिखरते वैवाहिक संबंधों की समस्या से मुक्ति मिल सकती है? अगर ऐसा होता तो यह समस्या इतनी तीव्रता से भारतीय समाज को नहीं जकड़ती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम यह जानने का प्रयास करें कि क्यों युवा पीढ़ी को विवाह रास नहीं आ रहा? वह क्यों उन्मुक्त जीवन जीना चाह रही है रक्तसंबंधों के अतिरिक्त वे रिश्ते जिनका चुनाव स्वयं करना होता है, उसके पीछे मुख्यतः 'आवश्यकता' का सिद्धांत कार्य करता है। विवाह सदैव भावनात्मक एवं मानसिक संबलता का पर्याय माना जाता रहा है। वैवाहिक संबंधों की सबसे बड़ी खूबसूरती अंतर्निर्भरता है, जो उसके स्थायित्व का मूलभूत तत्व भी है। दंपती अपनी दैहिक, भावनात्मक अपने मनोनुकूल जीवन जीने के लिए विवश करना संघर्षपूर्ण पारिवारिक रिश्ते का आरंभ है। 'एंथ्रोपोमोर्फिज्म सिद्धांत' वैवाहिक संबंधों में बिखराव को समझने में सहायक है। यह सिद्धांत ऐसे व्यक्ति या लोगों को संदर्भित करता है, जो स्वयं के मूल्यों के आधार पर दूसरों का मूल्यांकन करते है। यह स्थिति आत्मकेंद्रितता की अभिव्यक्ति है और दूसरों के साथ लोगों के संबंधों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। इस संदर्भ में एमजे कामेली का शोध स्पष्ट इंगित करता है कि 'स्वार्थ का बढ़ना और दांपत्य जीवन में दूसरे व्यक्ति की इच्छाओं और आवश्यकताओं पर ध्यान नहीं देना परिवार के टूटने का एक बड़ा कारण है।विवाह संबंधों के स्थायित्व में सबसे महत्वपूर्ण घटक एक-दूसरे की भावनाओं को समझना है और इसका महत्वपूर्ण साधन सकारात्मक संप्रेषण यानी वार्तालाप है।

कांग्रेस के पराभव को बयान करता गुलाम नबी आजाद का पत्र

कांग्रेस पार्टी और गुलाम नबी आजाद का 50 साल पुराना रिश्ता बीते दिनों टूट गया। यह काम कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के ठीक पहले हुआ। निःसंदेह यह कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी के लिए उससे भी बड़ी चिंता की बात वह पत्र है, जिसमें आजाद ने पार्टी से नाता तोड़ने के कारणों का उल्लेख किया है। यह पत्र दर्शाता है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की सारथी रही कांग्रेस आज किस कदर लुंजपुंज हो चुकी है। आजाद कांग्रेस की पारंपरिक शैली में पगे खांटी नेता रहे हैं। सौम्य, विचारशील और लोकतांत्रिक गुणों से ओतप्रोत आजाद ने राष्ट्रीय राजनीति में एक रही कि कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह गांधी-नेहरू परिवार के चंगुल से छूटने में अक्षम हो गई है। यह परिवार विचारशून्य हो गया है। वह पार्टी की कमान किसी ऐसे ऊर्जावान नेता को सौंपने के लिए भी तैयार नहीं, जो उसके कायाकल्प का प्रयास कर सके। राजीव गांधी के निधन के बाद कुछ समय के लिए परिदृश्य से गायब रहकर 1996 में पार्टी के लचर प्रदर्शन के बाद गांधी परिवार ने फिर से पार्टी पर पकड़ बनाई। 1996 के चुनाव की बात करें तो पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व में पार्टी को 28.80 प्रतिशत मत और 140 सीटें हासिल हुईं। ऐसे प्रदर्शन को बेहद खराब माना गया। राव को पार्टी अध्यक्ष रही। वहीं राष्ट्रीय परिदृश्य पर नरेन्द्र मोदी के उभार से कांग्रेस की हालत पतली होती गई। पिछले दो आम चुनावों में पार्टी को 20 प्रतिशत वोट तक नसीब नहीं हुए और वह इतनी सीटें भी नहीं जीत पाई कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के के लिए दावा कर सके। मौजूदा रुझानों के हिसाब से पार्टी का राष्ट्रीय वोट और दरक सकता है। यह उस पार्टी की स्थिति है, जो एक समय 42 से 45 प्रतिशत तक वोट प्रतिशत प्राप्त करती रही। वापस आजाद के मुद्दे की ओर लौटते है। पिछली सदी के आठवें दशक के मध्य में वह पार्टी से जुड़े। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, राव और मनमोहन सरकार में मंत्री रहे। पार्टी संगठन में भी उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व मिले।

सम्मानित पारी खेली है। आत्मघात पर आमादा कोई पार्टी या संगठन ही ऐसे नेता को इतना असहज कर सकता है कि वह उसे छोड़ने पर बाध्य हो जाए। पिछले दशक से ही कांग्रेस का पराभव होता दिख रहा है। इससे चिंतित आजाद और उनके जैसे प्रतिबद्ध कांग्रेसियों ने अपना एक समूह गठित किया। उसे जी-23 का नाम दिया गया। इस समूह ने दो वर्ष पहले पार्टी की दशा-दिशा सुधारने के लिए अपने स्वर मुखर करने का साहस किया, लेकिन अपने प्रयासों में उन्हें मामूली सफलता ही मिली। पार्टी दिग्गजों के विवेकशील सुझावों को सुनने के बजाय पार्टी के सर्वेसर्वा गांधी-नेहरू परिवार ने जी-23 समूह के सदस्यों के विरुद्ध ही शातिर अभियान छेड़ दिया, जिसने उन्हें या तो झुकने या फिर आजाद की तरह पार्टी से बाहर निकलने पर विवश किया। अब यह कोई दबी-छिपी बात नहीं पद से चलता कर उनकी जगह सीताराम केसरी की ताजपोशी हुई, परंतु परिवार के वफादारों को यही महसूस हुआ कि जब तक खानदान से कोई कमान नहीं संभालेगा, तब तक पार्टी अपनी खोई जमीन हासिल नहीं कर सकती। इसके बाद केसरी का तख्तापलट हुआ और 1998 में सोनिया गांधी पार्टी अध्यक्ष बनीं। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करने के चंद महीनों में ही वह पार्टी की मुखिया बन गईं। फिर 2017 में उन्होंने राहुल गांधी को कमान सौंपी। दो साल अध्यक्ष बने रहने के बाद राहुल ने वही कमान वापस अपनी मां को लौटा दी। सोनिया गांधी के अध्यक्षीय काल में 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। उस चुनाव में पार्टी को 28.55 प्रतिशत वोट और 206 सीटें मिलीं। भरोसेमंद विकल्प देने में भाजपा की नाकामी कांग्रेस के इतने अच्छे प्रदर्शन की प्रमुख वजह उन्होंने कांग्रेस की परंपराओं का गरिमा के साथ निर्वहन किया। उनकी विनम्रता को देखते हुए कोई बस अनुमान ही लगा सकता है कि राहुल गांधी के प्रति इतने तल्ख बयानों के लिए उन्हें किन बातों ने उद्वेलित किया होगा। उन्होंने राहुल पर पार्टी को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि नए दरबारी और उनके सुरक्षा गार्ड तक अहम फैसले करने लगे हैं। मनमोहन सरकार के दौरान अध्यादेश की प्रति फाड़ने के राहुल के व्यवहार को भी उन्होंने 'बचकाना' बताया। आजाद की चिट्ठी एक तरह से राहुल गांधी के प्रति ऐसा आरोप-पत्र है, जो पिछले आठ वर्षों में कांग्रेस के त्रासद पराभव के कारणों की तह तक जाता है। उन्होंने अगस्त 2020 के वाकये का भी उल्लेख किया कि दरबारियों ने किस प्रकार जी-23 के सदस्य नेताओं को हरसंभव तरीके से निशाना बनाकर प्रताडित किया।

श्रीराम मित्र मंडल रामलीला महोत्सव का सेक्टर 62 मे हुआ भूमि पूजन

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर 62 के रामलीला मैदान में आयोजित हो रहे रामलीला महोत्सव का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। आज सी-57, सेक्टर 62 स्थित रामलीला मैदान में श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल, महासचिव मुनन कुमार शर्मा,कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सहकोषाध्यक्ष अनिल गोयल, उपमुख्य संरक्षक राजकुमार गर्ग, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, चौधरी रविन्द्र सिंह, गौरव मेहरोत्रा, आत्माराम अग्रवाल,मुकेश अग्रवाल, मनोज शर्मा, मुकेश गोयल, शांतनु मित्तल, मीडिया प्रभारी चन्द्रप्रकाश गौड़,एस0एम0 गुप्ता, संदीप पोरवाल, सुशील गोयल, कश्मीरी लाल गोयल, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा,डॉ. एस.पी. जैन,पी.एस.जैन,डॉ. ए.के. त्यागी,सतेंदर शर्मा, जे.सी. नारंग, मल्लिकेश्वर झा,रवि गर्गेश, मनीष गोयल,आर सी गुप्ता,अविनाश सिंह, बिजेंद्र राय, राजीव गोयल, मीना बाली, अर्जुन प्रजापति, साहिल चौधरी, विनय हिन्दू, बजरंगलाल गुप्ता, पवन गोयल, रंजीव गुप्ता, एनके अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, एमपी सिंह,आर के अग्रेती,राधाकृष्ण गर्ग, पी के अग्रवाल, रविकांत मिश्रा, सहित शहर के गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए। भूमि पूजन के पश्चात मंच निर्माण, पुतला निर्माण, सहित विभिनन कार्य शुरू हो जाएंगे। 30 सितंबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जाएगी। 5 अक्टूबर को दशहरा उत्सव मनाया जाएगा और 6 अक्टूबर को भरत मिलाप एवं श्रीराम राज्याभिषेक के साथ श्रीराम लीला महोत्सव का समापन होगा।

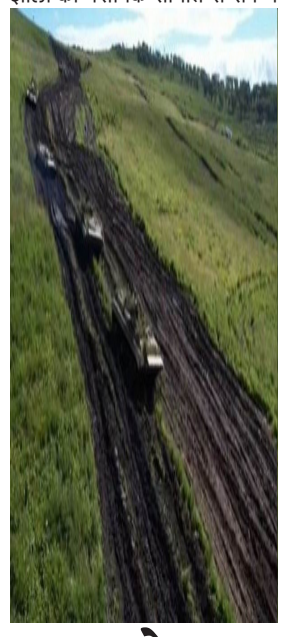

में श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा आयोजित हो रहे श्रीरामलीला महोत्सव व श्रीरामलीला मंचन का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ।भूमि पूजन व श्री गणेश पूजन के बाद आरती की गई तथा श्रीहनुमानजी का ध्वज रामलीला मैदान में स्थापित किया गया। सेक्टर 62 रामलीला मैदान में श्रीराम मित्र मंडल नोएडा द्वारा 26 सितंबर से 6 अक्टूबर तक श्रीरामलीला मंचन कराया जायेगा। भूमिपूजन में श्रीराम मित्र मंडल नोएडा

संक्षिप्त समाचार

सीमा पर चीन को जवाब देने की तैयारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नमसाइ। भारतीय सेना ने अनेकों 777 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर को अरुणाचल प्रदेश में के करीब पहाड़ी इलाकों के करीब तैनात किया है। अरुणाचल प्रदेश में सेना अपने पक्ष को मजबूत करने में जुट गई है। इस क्रम में लद्दाख सेक्टर के अधिकतर संवेदनशील इलाकों में होवित्जर तोप को तैनात किया गया है। 30 किमी की मारक क्षमता वाली -777 को चीन के साथ लगती भारतीय सीमा पर तैनात किया गया है। पिछले साल मई के महीने से भारत और चीन के बीच सीमा पर विवाद चल रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक अनेकों दौर की बातचीत हो चुकी है। इसके बावजूद यह विवाद पूरी तरह से हल नहीं हुआ है। बातचीत के साथ-साथ चीन ने भारत से लगी सीमा में सेना की तैनाती बढ़ाई है। ऐसे में भारत भी रक्षा तैयारियों को मजबूत कर रहा है।बता दें कि 777 होवित्जर तोप को आसानी से कभी भी चिनूक हेलिकाप्टर्स की मदद से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। 777 आर्टिलरी गन की अधिकतम रेंज 30 किमी है और बीएई सिस्टम्स द्वारा बनाई गई है। सेना को 2018 में यह मिली थी। बोफोर्स घोटाले के बाद से नई आर्टिलरी गन के लिए 30 साल के इंतजार के बाद सेना को ये तोपें मिली थीं। उल्लेखनीय है कि के संवेदनशील सेक्टर में दोनों देश के 50,000 से 60,000 सेनाओं को तैनात किया गया है।

गणपति बप्पा मोरया अगले वर्ष तू जल्दी आ के जयकारों के साथ हुआ गणेश विसर्जन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में गणेश उत्सव के अंतिम दिवस प्रातः 8 बजे विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी की पंडित मनोहर शास्त्री द्वारा शास्त्रोक्त विधि से मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया गया। पूजन के बाद मिष्ठान व फलों का भोग लगाया गया व आरती की गई। इस अवसर पर हवन यज्ञ हुआ जिसमें भगवान गणेश सहित तमाम देवी देवताओं को आहुतियां प्रदान की गईं। हवन के बाद भंडारा हुआ जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। गणेश जी से सभी भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया साथ ही अगले वर्ष जल्दी आने की कामना की। गणेश जी को सभी भक्तों ने गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूरति मोरया के जयकारों के साथ ले जाकर विसर्जित किया।

ब्रिटेन की महारानी का निधन, शोक में राष्ट्र को संबोधित करेंगे ब्रिटेन के राजा चार्ल्स

(आधुनिक समाचार सेवा)
स्कॉटलैंड। ब्रिटेन के राजा चार्ल्स 96 वर्ष की आयु में अपनी मां और देश की प्रमुख महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद शुक्रवार को शोक में एक राष्ट्र को संबोधित करेंगे। महारानी के निधन पर दुनिया भर से लोगों ने शोक व्यक्त किया है। लंदन में जनता ने बकिंघम पैलेस के बाहर फूल बिछाएं और शहर भर में शोक संदेश के होर्डिंग लगाए गए। समाचार पत्रों ने पहले पन्ने पर रानी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। गुरुवार को हजारों लोग रानी के महल के बाहर जमा हो गए थे। ये खबर मिलने के बाद झंडा आधा झुका हुआ था। कई लोगों ने उनकी मृत्यु पर सदमे की भावना का वर्णन किया जिसे अधिकांश ब्रितानियों ने कभी नहीं जाना है। यह हम सभी के लिए एक दुखद दिन है। चार्ल्स, जो स्वचालित रूप से यूनाइटेड किंगडम के सम्राट और आस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड सहित 14 अन्य क्षेत्रों के राज्य के प्रमुख बन गए हैं, ने कहा कि ये मृत्यु उनके और उनके परिवार के लिए बहुत दुख का क्षण था। 73 वर्षीय व्यक्ति ने एक बयान में कहा, हम एक पोषित संप्रभु और एक बहुत प्यारी मां के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। मुझे पता है कि उनका नुकसान पूरे देश में, लोकों और राष्ट्रमंडल में और दुनिया भर

के अनगिनत लोगों द्वारा गहराई से महसूस किया जाएगा।बाद में देश को संबोधित करने से पहले उनके शुक्रवार को प्रधानमंत्री लिज़ ट्रस से मिलने की उम्मीद है। तोपों की सलामी भी होगी। खबर है कि रानी की तबीयत बिगड़ रही थी, गुरुवार को दोपहर के तुरंत बाद जब उसके डाक्टरों ने एक बयान में कहा कि वह चिकित्सकीय देखरेख में है। जिसके बाद डाक्टरों ने उनके परिवार को स्काटलैंड जाने के लिए कहा। रानी पिछले साल के अंत से एपिसोडिक मोबिलिटी प्रॉब्लम्स से पीड़ित थीं, जिसके कारण उन्हें अपने लगभग सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर होना पड़ा।73 साल के उनके पति, प्रिंस फिलिप की 2021 में मृत्यु हो गई थी। उनका अंतिम सार्वजनिक कर्तव्य मंगलवार को ही आया, जब उन्होंने उनके शासनकाल का 15वां प्रधानमंत्री ट्रस को नियुक्त किया। ट्रस ने अपने डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय के बाहर कहा, महामहिम महारानी की मौत देश और दुनिया के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने कहा महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने हमें वह स्थिरता और ताकत प्रदान की जिसकी हमें आवश्यकता थी। वह ग्रेट ब्रिटेन की आत्मा थी और वह भावना बनी रहेगी।उनकी मृत्यु की इस खबर ने न केवल ब्रिटेन में लोगों को स्तब्ध कर दिया, बल्कि दुनिया भर के नेताओं की ओर से शोक व्यक्त किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने एक बयान में कहा, उनकी विरासत ब्रिटिश इतिहास के पन्नों में और हमारी दुनिया की कहानी में बहुत बड़ी होगी। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, जो दुनिया की सबसे उम्रदराज और सबसे लंबे समय तक राज्य की प्रमुख थीं, 6 फरवरी, 1952 को अपने पिता किंग जॉर्ज षष्ठ की मृत्यु के बाद सिंहासन पर आईं, जब वह सिर्फ 25 वर्ष की थीं। उन्हें जून में ताज पहनाया गया था।

सेक्टर 82 मे गणेश उत्सव मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । सेक्टर 82 स्थित ब्रम्हचारी कुटी में गणेश उत्सव के नवमें दिन पंडित मनोहर शास्त्री द्वारा विधि विधान से विघ्नहर्ता भगवान गणेश का पूजन किया गया। उनको पुष्प व दूर्वा की माला अर्पित की गई एवं मोदक का भोग

लगाया गया। भक्तों ने भजन गाकर गणेश जी की महिमा का वर्णन किया। सुंदर भजनों ने माहौल को भक्तिमय कर दिया। तत्पश्चात आरती की गई व प्रसाद वितरित हुआ इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि शुक्रवार को गणेश उत्सव का दसवां दिन है। प्रातः 8 बजे गणेश भगवान का पूजन किया जाएगा और 9 बजे से 10 बजे तक हवन होगा । दोपहर 12 बजे से भंडारा होगा और इसके बाद भगवान गणेश की मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। भगवान गणेश की पूजा सभी विघनें एवं भय को हरने वाली है। परम् कल्याणकारी भगवान गणेश सब पर अपनी कृपा बनाये रखें। इस अवसर पर पिंटू बाबा उर्फ विकास भारती, पंडित अभिषेक तिवारी,पंडित सुमित शास्त्री, पंडित अखिल पांडेय, अनमोल झा, पंडित चंद्रकांत दुबे, अशोक कुमार, नीरज कुमार, ओम कुशवाहा सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे।

सेक्टर-46 में होगा रामलीला का मंचन, हो गया भूमि पूजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । कोविड महामारी के कारण तीन साल सूनेपन के बाद इस साल श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के पदाधिकारियों में उत्साह है। कमेटी की ओर से सेक्टर-46 के ए-ब्लॉक में रामलीला का मंचन किया जाएगा। इसकी तैयारी जोर-शोर

से चल रही है। आज इस धार्मिक आयोजन के लिए भूमि पूजन किया गया। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने बताया कि रामलीला मंचन के मद्देनजर आज सेक्टर-46 के ए-ब्लॉक में भूमि पूजन किया गया। मंत्रोच्चार के बीच हवन कुंड में आहूति दी गई। इस मौके पर कमेटी के महासचिव विकास बंसल, कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता, अग्रवाल मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष संजय गोयल, लघु उद्योग भारती नोएडा महासचिव सत्यवीर सिंह, प्रशांत त्यागी, डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एनपी सिंह, सपा नेता मनोज चौहान, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, दर्जा प्राप्त मंत्री नवाब सिंह नागर, ओमवीर अवाना, सपा नेता सूबे यादव, महेश यादव, नोएडा संयुक्त ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष वेदपाल चौधरी, महेंद्र यादव, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के चेयरमैन नवनीत गुप्ता, फोनरवा के महासचिव केके जैन, सत्येंद्र शर्मा, सुधीर गोयल, टीसी गौड़, राकेश यादव, सपा के महानगर अध्यक्ष दीपक विग आदि मौजूद थे।

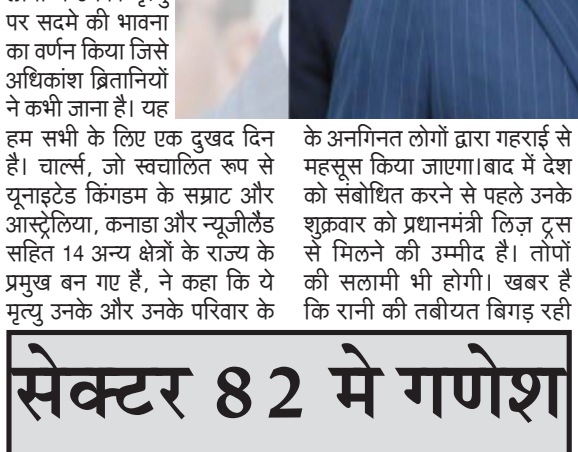

उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटों पर होगा भाजपा का 2024 में क़ब्ज़ा-केशव प्रसाद मौर्य

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाजपा कार्यालय सेक्टर 116 में रहे। उनका नॉएडा में आगमन हो रहे

प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के चलते रहा जहां वो एक्सपो सेंटर पूरे कार्यक्रम और व्यवस्थाओ की समीक्षा करने आए थे। भाजपा कार्यालय में वो सभी कार्यकर्ताओं से मिले और सभी कार्यकर्ताओं में भी उनके प्रति जोश देखने लायक़ था। अपने संबोधन में उन्होंने सबसे पहले सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया और कहा कि आज जब मैं प्रधानमंत्री के होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा देखने आए और फिर उसके बाद पार्टी कार्यालय जो हमारी पार्टी का मंदिर भी है उसके दर्शन और उस मंदिर में देवतुल्य कार्यकर्ताओं के दर्शन भी करने आया हूँ ।नॉएडा और ग्रेटर नॉएडा के सभी कार्यकर्ता इस तरह अपने कार्य में लीन है कि यहाँ सिर्फ भाजपा ही भाजपा का परचम लहरा रहा है। नॉएडा जो आज देश का शो-विंडो है उसकी आवाज़ देश और दुनिया तक सुनायी देती है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश की सरकार हर मोर्चे पर आगे है और गाँव, नगर, उत्तर प्रदेश या कोई प्रदेश हो हर जगह सिर्फ नरेंद्र मोदी की गूंज है। मोदी जी की लोकप्रियता को देखते राहुल हो या अखिलेश हो सब फैल हैं और ये सिर्फ़ सत्ता के लिए कार्य करते है और साथ ही देश का मनोरंजन करते हैं। आगामी 2024 में हम फिर 80 सीट दे कर भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे और मोदी जी फिर से प्रधान सेवक के रूप में देखेंगे। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने उप मुख्य मंत्री जी का स्वागत कर उनकी कार्यशाली के बारे में सभी को बताया। उनके साथ राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, एमएसी श्रीचंद शर्मा, विधायक तेजपाल नागर, एमएलसी और प्रदेश उपाध्यक्ष सतपाल सेनी, गनन संस्थान के अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता और विजय भाट्टी, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, नॉएडा प्रभारी बसंत त्यागी, और पूरे नॉएडा और ग्रेटर नॉएडा के जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

नॉर्थ-ईस्ट फैस्टिवल में दो दिन रहेगी सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम 10वें दिन हुआ गणेश विसर्जन शुक्रवार को भी रही चहल पहल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । सेक्टर-33 ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित नॉर्थ-ईस्ट फैस्टिवल में अगले दो दिल लगातार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहने वाली है। शनिवार को जहां असमाम की फिल्म अभिनेत्री एवं क्लासिकल डांसर तन्वी शर्मा तथा उनकी एकेडमी के बच्चों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं रविवार को त्यागराज सेंटर ऑफ म्यूजिक द्वारा केरला बैस प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं शुक्रवार को 10वें दिन गणेश विसर्जन भी किया गया। साथ ही फैस्टिवल के 15वें दिन भी काफी चहल पहल रही। लोगों ने यहां जमकर खरीददारी की। नोएडा हॉट के निदेशक मुकेश शर्मा ने बताया कि शनिवार को शाम 07 बजे से आसाम की जानी मानी अभिनेत्री तन्वी शर्मा जोकि खुद भी बेहतरीन क्लासिकल डांसर हैं, साथ ही उनकी एकेडमी डांस बज द्वारा नोएडा हॉट में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे जिनमें आसाम के प्रसिद्ध कासियोली डांस, टीवा फयूजन डांस, बीहू डांस, आसाम के क्षेत्रिय गानों पर डांस, तथा तन्वी शर्मा द्वारा भी प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं फैस्टिवल के अंतिम दिन समापन के अवसर पर रविवार को त्यागराज सेंटर ऑफ म्यूजिक एंड डांस द्वारा भी केरला के डांस, भरतनाटटयम सहित अन्य कई सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किए जाएंगे। शुक्रवार को 10वें दिन गणेश विर्सजन कार्यक्रम भी धूम धाम से मनाया गया और पूजा अर्चना के साथ भगवान गणेश को विदाई दी गई। नार्थ ईस्ट फैस्टिवल के 15वें दिन भी मेले में खासी चहल पहल

रही लोगों ने यहां जमकर उत्तर भारत के सामानों की खरीददारी की गई, उम्मीद है कि फैस्टिवल के दो अंतिम दिन वीकेंड के चलते अत्यधिक भीड देखने का मिलेगी। ज्ञात हो कि 26 अगस्त से 11 सितंबर 2022 तक नोएडा सेक्टर 33 स्थित नोएडा हॉट में नार्थ ईस्ट के 8 प्रदेशों अरुणाचल प्रदेश, आसाम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालेंड, त्रिपुरा, और सिक्किम के हैंडिक्राफ्ट और वहां के अन्य सामान को प्रस्तुत करने के लिए नार्थ ईस्ट फैस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार के मंत्रालय मिनिस्ट्री ऑफ टैक्सटाइल के डेवलेपमेंट कमिशन्र हैंडिक्राफ्ट तथा नेशनल डिजाइन सेंटर एवं नार्थ ईस्ट स्टेट गार्वमेंट डिपार्टमेंट के पारटिसिपेशन सहयोग से किया जा रहा है। नार्थ ईस्ट के सभी 8 प्रदेशों के हैंडिक्राफ्ट कलाकार यहां अपनी क्राफ्ट, खानपान, संस्कृति, पर्यटन और अपनी परंपरा से रूबरू करा रहे हैं। फैस्टिवल में लोग सुबह 11 बजे से रात 08 बजे तक खरीददारी कर सकेंगे।

नॉर्थ-ईस्ट फैस्टिवल ने जीता नोएडावासियों का दिल त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय के उत्पादों पर उमड़ी भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा ।सेक्टर-33 ए स्थिति नोएडा हाट में आयोजित नॉर्थ-ईस्ट फैस्टिवल नोएडा वासियों के लिए खास बन गया है। यहां लोग

जमकर खरीददारी कर रहे हैं। 17 दिन तक चल रहे इस आयोजन का गुरुवार को 14वां दिन खस बनकर रह गया। यहां त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय के उत्पादों की जमकर खरीददारी हुई, जिसके चलते इन तीनों राज्यों के सारे उत्पाद बिक गये। त्रिपुरा से यहां आईं संध्या ने बताया कि उनके सभी उत्पाद नोएडावासियों को पसंद आये, जिसके चलते उनके सभी उत्पाद बिक चुके हैं। अब चूंकि आयोजन के तीन दिन शेष रहे हैं इसलिए माल और मंगाने की कोई योजना नहीं है। उधर मेघालय से पनन ने बताया कि यहां के लोग क्वालिटी पसंद करते हैं, जिसके चलते हमारा सारा माल बिक्री हो गया। वहीं मिजोरम के उत्पाद भी नोएडावासियों की पसंद बने और उनकी खरीददारी भी जमकर हुई। ज्ञात हो कि 26 अगस्त से 11 सितंबर 2022 तक नोएडा सेक्टर 33 स्थित नोएडा हॉट में नार्थ ईस्ट के 8 प्रदेशों अरुणाचल प्रदेश, आसाम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालेंड, त्रिपुरा, और सिक्किम के हैंडिक्राफ्ट और वहां के अन्य सामान को प्रस्तुत करने के लिए नार्थ ईस्ट फैस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। वहीं गुरुवार को अलग अलग स्कूलों के करीब 200 छात्र छात्राओं ने गुरुवार को नोएडा हॉट पहुँच कर नार्थ ईस्ट की संस्कति और वहाँ की कला को बारीकी से समझा, इस दौरान यहाँ स्कूली बच्चो ने स्टॉल लगा रहे लोगों और महिलाओ से बातचीत भी की। यह आयोजन भारत सरकार के मंत्रालय मिनिस्ट्री ऑफ टैक्सटाइल के डेवलेपमेंट कमिशन्र हैंडिक्राफ्ट तथा नेशनल डिजाइन सेंटर एवं नार्थ ईस्ट स्टेट गार्वमेंट डिपार्टमेंट के पारटिसिपेशन सहयोग से किया जा रहा है। नार्थ ईस्ट के सभी 8 प्रदेशों के हैंडिक्राफ्ट कलाकार यहां अपनी क्राफ्ट, खानपान, संस्कृति, पर्यटन और अपनी परंपरा से रूबरू करा रहे हैं। फैस्टिवल में गुरुवार को लोगों ने जमकर खरीददारी की। नोएडा हाट के निदेशक मुकेश शर्मा ने बताया कि यहाँ देश के 8 प्रदेशों से आये सभी दुकानदारों की सभी सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्था की गई है। किसी को भी किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए विशेष टीम लगाई गई है।

अखिलेश यादव 25 बर्षो तक सत्ता से बाहर रहेंगे - उप-मुख्यमंत्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि फिलहाल अखिलेश 25 सालों तक उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी नहीं कर पाएंगे। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 12 सितंबर को इंटरनेशनल डेयरी समिट-2022 का आयोजन किया जाएगा। उसका उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार को पीएम मोदी के कार्यक्रम के मद्देजन की जा रही तैयारियों का जायजा लेने आए थे। पीएम के साथ गृहमंत्री अमित शाह और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस समिट में शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तैयारियों का जायजा लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उनके खिलाफ जो बयानबाजी कर रहे हैं, वह उनकी तड़प को दिखा रहा है। सपा अब समाप्तवादी पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि अखिलेश पिछड़ों, गरीबों और किसानों के विरोधी हैं। जब सत्ता में रहते हैं तो गुंडों, भू-माफिया और दंगाइयों के सरदार बन जाते हैं। सत्ता से बाहर आने पर उनकी तड़प साफ झलकने लगती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह कांग्रेस मे कांग्रेस छोड़ो यात्रा चल रही है। उसी तरह समाजवादी पार्टी के लगभग 100 विधायक अखिलेश के साथ नहीं हैं, और वे भाजपा में आना चाहते हैं। इस मौके पर इनके साथ राज्य सभा सांसद सुरेन्द्र नागर,नोएडा विधायक पंकज सिंह, मनोज गुप्ता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मैहर आज ग्राम देवरा में श्री दादू लाल कोल को ईस्ट देवी देवताओं की पूजा करने का दिया गया प्रभार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरा में श्री श्री 1008 श्री खालेश्वर ठाकुर बाबा जी महराज का पूरे देवरा गांव में बहुत बड़ा प्रताप है कहते हैं कि यहां आज भी बिना पंचायत के अलाबा कोई चोरी नहीं हुई कभी नहीं हुई और इस देवरा पंचायत में एसटी एससी पिछड़ा वर्ग के अलावा कोई अन्य अन्य वर्ग के समाज का इस देवरा पंचायत में मकान बनाकर खुद की जमीन लेकर सुख से नहीं रह सकता श्री खालेश्वर ठाकुर बाबा जी महाराज का इतना बड़ा प्रताप है और उनकी सेवा एवं पूजा सिर्फ आदिवासी समाज के लोग ही कर सकते हैं इसीलिए भूतपूर्व से चली आ रही परंपरा के अनुसार आज श्री ठाकुर बाबा जी महाराज के पुजारी श्री दादू लाल कोल को नवनिर्वाचित चुना। मंदिर प्रांगण में ही देवरा पंचायत के सभी ग्राम वासियों को एकत्रित कर पूर्व में सेवा दे रहे पुजारी के स्वास्थ्य खराब होने के कारण नवनिर्वाचित पुजारी श्री दादू लाल कोल को पंचायत के वरिष्ठ एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष गिरधारी लाल कुशवाहा

जी एवं युवा समाजसेवी श्री दिनेश यादव जी द्वारा श्रीफल नारियल देकर चुना गया। इसमें मुख्य रूप से देवरा पंचायत के सरपंच महोदया श्रीमती आशा कुशवाहा श्री गिरधारी लाल कुशवाहा श्री दिनेश यादव श्री राजकुमार सिंह श्री सत्यदेव सिंह श्री प्रेम लाल कुशवाहा श्री केठानी लाल कोल श्री मुनन लाल कुशवाहा श्री विनोद सिंह रामनिवास कुशवाहा सुखी लाल कोल सुंदरलाल कोल राम बहोर प्रजापति सुंदरलाल साकेत सुरेश साकेत विनोद कोल और पंचायत के अन्य वार्ड पंच एवं समस्त ग्रामवासी रहे उपस्थित।

ब्रह्मास्त्र में 'चिकनी चमेली' पर आलिया भट्ट के साथ डांस करते नजर आए रणबीर कपूर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ब्रह्मास्त्र फिल्म जहां 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। वहीं रिलीज होने के साथ ही यह फिल्म ऑनलाइन लीक भी

हो गई है। इस फिल्म से जुड़े कुछ क्लिप भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को चमेली पर डांस करते हुए देखा जा सकता है अब हालिया क्लिप में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को कटरीना कैफ के गाने चिकनी चमेली पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। इनमें उनके अलावा कुछ बच्चे भी नजर आ रहे हैं। इस अवसर पर आलिया भट्ट कटरीना कैफ के सिगनेचर स्टेप्स पर डांस करती नजर आ रही है। इसके पहले भी फिल्म के कुछ सीन ऑनलाइन लीक हो गए हैं। फिल्म में शाहरुख खान ने भी कैमियो किया हैत्इसके पहले फिल्म ब्रह्मास्त्र को बायकॉट करने की मांग सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। इस पर आलिया भट्ट ने कहा था, 'ऐसा कुछ भी नहीं हैत् फिल्म रिलीज होने का यह सबसे अच्छा एनवायरमेंट हैत् हम स्वस्थ हैं, सुरक्षित है हमें हमारे लाइफ में आगे बढ़ना है। ऐसा कुछ मत बोलो आप चैट मत करो। नेगेटिव कुछ नहीं है। एनवायरमेंट सब पॉजिटिव है। सब अच्छा है इस बीच फिल्म के प्रमोशन के लिए उज्जैन पहुंचे आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को महाकाल मंदिर में जाने नहीं दिया गया था और उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा थात् आलिया भट्ट फिल्म एक्ट्रेस है और वह जल्द मां बनने वाली है। रणबीर कपूर की पिछली फिल्म शमशेरा थी। जोकि बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी। रणबीर कपूर की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चार वर्षों के अंतराल के बाद आई हैं। वह लंबे समय बाद पर्दे पर नजर आ रहे हैं।

लगातार तीन फ्लॉप के बाद भी अक्षय कुमार का जलवा कायम, झोली में हैं यह बड़ी 7 फिल्में

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार आज 55 साल के पूरे हो गए। साल 1991 की फिल्म 'सौगंध' से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाले अक्षय कुमारी बॉक्स ऑफिस के सबसे सफल स्टार में से एक हैं। अपने 31 साल के लंबे करियर में उन्होंने अनगिनत फिल्में की है। अपनी फिटनेस और डिसिप्लिन के लिए पॉपुलर अक्षय कुमार ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है। अक्षय कुमार के लिए यह साल कुछ खास अच्छा नहीं रहा। मार्च महीने में रिलीज हुई उनकी बच्चन पांडे बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। इसके बाद आई सम्राट पृथ्वीराज एक बड़े बजट की फिल्म थी जिसका हाल और भी ज्यादा खराब रहा। सबसे बुरी गति तो आनंद एल राय की रक्षाबंधन की हुई। लगातार तीन फ्लॉप फिल्में देने वाले अक्षय के पास अभी भी फिल्मों की लाइन लगी हुई है।परेश रावल और अक्षय कुमार की ओएमजी साल 2012 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। ओएमजी के सीक्वल में अक्षय कुमार के साथ यामी गौतम, पंकज त्रिपाठी और 'टीवी के राम' यानी अरुण गोविल नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले साल शुरू हुई थी और कयास लगाए जा रहे थे कि यह फिल्म इस साल

अक्टूबर में रिलीज होगी। हालांकि कटपुतली के ट्रेलर लॉन्च पर अक्षय कुमार ने इससे इनकार किया। अक्षय कुमार ने पर्दे पर बहुत बार सुपर कॉप का रोल प्ले किया है। गोरखा में अक्षय, फिल्म में सेना के गोरखा रेजिमेंट के एक अधिकारी मेजर जनरल इयान काडीजो की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म भी आनंद एल राय की है और हाल ही में उन्होंने पिंक विला से बातचित में बताया कि स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद फिल्म फ्लोर पर आएगी। इस प्रोजेक्ट में पहली बार बॉलीवुड के दो एक्शन स्टार अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म के जनवरी 2023 से फ्लोर पर आने की उम्मीद की जा रही है। डायरेक्टर अली अब्बास जफर बड़े मियां छोटे मियां को ऑस्ट्रियाई आल्प्स, सऊदी अरब और लंदन में शूटिंग करना चाहते हैं। डायरेक्टर अभिषेक शर्मा की इस फिल्म में अक्षय कुमार एक पुरातत्वविद् की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार का किरदार यह पता लगाने की कोशिश करता है कि रामसेतु एक मिथक है या सच। रामसेतु में जैकलिन फर्नांडीस और नुसरत भरूचा भी लीड रोल में हैं। अभी तक की खबरों की मानें तो यह 24 अक्टूबर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की यह फिल्म मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का हिन्दी रीमेक है। कुछ दिनों पहले ही सैफ अली खान के बर्थडे पर अक्षय कुमार ने फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' के रीमेक सॉन्ग की घोषणा की थी। यह फिल्म 24 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सलमान खॉन को लेकर शहनाज गिल ने कही दी बड़ी बात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अपनी क्यूट और चंचल अदाओं के लिए फेमस शहनाज गिल के लाखों फैंस हैं। इंडस्ट्री में भी सेलेब्स से उनकी अच्छी दोस्ती है। मगर, जो बॉन्डिंग वह सलमान खान के साथ शेयर करती हैं, वह शायद ही किसी दूसरे कलाकार के साथ हो। बिग बॉस

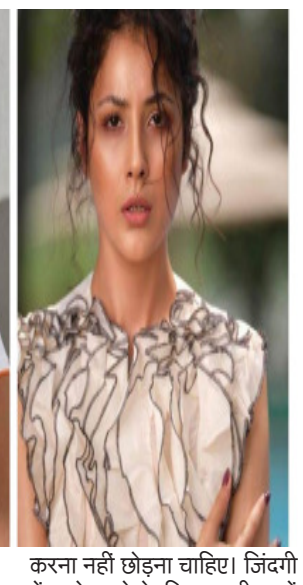

13 के बाद से शहनाज गिल की पॉपुलैरिटी में काफी इजाफा हुआ है। यही वह प्लेटफार्म भी है, जब इंडस्ट्री के भाईजान यानी कि सलमान खान के साथ उनकी अच्छी दोस्ती की शुरुआत हुई थी। शहनाज को इंडस्ट्री में बहुत वक्त बीत गया है। वैसे तो बिग बॉस में आने से पहले वह ग्लैमर इंडस्ट्री से अपरिचित नहीं थीं। लेकिन, इस शो के बाद उनकी पर्सनालिटी से लेकर व्यवहार तक में काफी बदलाव आए हैं। इसका श्रेय भी उन्होंने सलमान खान को ही दिया है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, शहनाज गिल ने बताया कि सलमान खान से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है। वह कहती हैं कि सलमान ने उन्हें सिखाया कि आगे बढ़ने के लिए सीखने की ललक हमेशा बनी रहनी चाहिए। अगर वह कुछ बड़ा करना चाहती हैं, तो उन्हें मेहनत करना नहीं छोड़ना चाहिए। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए पुरानी बातों को भूलना भी जरूरी है। शहनाज ने कहा कि जब आप छोटे शहर से बड़े शहर आते हैं, तो यहां बहुत कुछ सीखने को मिलता है। किसी को कभी भी कुछ सीखना बंद नहीं करना चाहिए। मैंने लोगों से बहुत कुछ सीखा है। आप जिंदगी में जिस किसी से भी मिलते हो, उससे कुछ न कुछ सीखने का मौका मिलता है। मैं जिससे भी मिली हूं, उसने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है।

ब्रह्मास्त्र की रिलीज के दिन अमिताभ बच्चन को क्यों याद आए अपनी पहली फिल्म सात हिंदुस्तानी के निर्देशक

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अयान मुखर्जी निर्देशित ब्रह्मास्त्र आज सिनेमाघरों में पहुंच गयी है। फिल्म में रणबीर कपूर आलिया भट्ट, मौनी रॉय और नागार्जुन के साथ अमिताभ बच्चन भी एक अहम किरदार में हैं। मगर, ऐसा क्या हुआ कि अपनी लेटेस्ट फिल्म की रिलीज के मौके पर अमिताभ को अपनी

डेब्यू फिल्म सात हिंदुस्तानी के निर्देशक केए अब्बास याद आ गये अब्बास ने अमिताभ को 1969 में रिलीज हुई फिल्म सात हिंदुस्तानी से ब्रेक दिया था। दरअसल, अमिताभ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो केए अब्बास की किताब सोने चांदी के बुत के बारे में बता रहे हैं। वीडियो में अमिताभ कहते हैं- मेरे हाथ में एक किताब है, जिसका नाम सोने चांदी के बुत है। इसे केए अब्बास ने लिखा है। ग्रेट राइटर, ग्रेट माइंड। राइटर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर। उन्होंने सात हिंदुस्तानी से मुझे ब्रेक दिया था। मैं उन्हें मामूजान कहता था।अमिताभ बताते हैं कि यह किताब उन्होंने उर्दू में लिखी थी, जिसे अब अंग्रेजी में ट्रांसलेट किया गया है। मामू जान एक अद्भुत शख्स थे। उनकी मान्यताएं, उसूल और इंटेग्रिटी, सब अद्भुत था। अब ऐसे लोग नहीं बनाये जाते।वैसे सिर्फ अमिताभ ही नहीं रामानंद सागर के बेहद लोकप्रिय धारावाहिक रामायण में लक्ष्मण बनकर मशहूर हुए सुनील लहरी को भी केए अब्बास ने ही ब्रेक दिया था, जिसका जिक्र सुनील ने अमिताभ की पोस्ट में लिखे गये जवाब में किया है। केए अब्बास को इंडस्ट्री में प्यार से मामूजान कहा जाता था। सुनील लहरी ने केए अब्बास की फिल्म द नक्सलाइट्स से अभिनय की पारी शुरू की थी, जो 1980 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, स्मिता पाटिल, दीना पाठक जैसे कलाकारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभायी थीं।अमिताभ की पोस्ट पर सुनील ने जवाब लिखा, जिसमें कहा गया- वाकई में मामू जान (केए अब्बास साहब) मुंबई फिल्म इंडस्ट्री के कभी ना भुलाए जाने वाले मजबूत स्तम्भ हैं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे मेरा पहला ब्रेक स्मिता पाटिल जी के साथ उनकी फिल्म नक्सलाइट्स से मिला। मैं इस किताब की सफलता की कामना और प्रार्थना करता हूं। बता दें, अमिताभ बच्चन आज 9 सितम्बर को रिलीज हुई फिल्म ब्रह्मास्त्र में गुरुजी के किरदार में नजर आ रहे हैं। अयान मुखर्जी निर्देशित इस सुपरहीरो फैंटेसी फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने लीड रोल निभाये हैं।

रवि किशन की बेटी रीवा की हॉट तस्वीरें हो रहीं वायरल, लुक में फेल हुई बॉलीवुड की हसीनाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग का दम दिखाने वाले सांसद रवि किशन और सुपरस्टार रवि

किशन आज एक बड़ा नाम हैं। रवि ने अभिनय और राजनीति दोनों ही क्षेत्रों में अपना नाम कमाया है। रवि किशन हॉलीवुड तक में एक्टिंग का लोहा मनवा चुके हैं। रवि किशन की फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त है। फैंस उनके बारे में पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक हर बात जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। वहीं जब बात रवि किशन की हो तो फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ जाती है। रवि किशन की बेटी रीवा किशन की बात करें तो वो बेहद ही ग्लैमरस हैं। ये कहना गलत नहीं होगा की रीवा की खूबसूरती के आगे बॉलीवुड की हसीनाएं भी फीकी हैं। इसी बीच रीवा की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। रवि किशन की बेटी रीवा किशन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी हॉट एंड ब्यूटीफुल तस्वीरों के जरिए फैंस के होश उड़ाती हैं इसी बीच रीवा की लेटेस्ट तस्वीरें फैंस के बीच काफी पसंद की जा रही हैं। रीवा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में रीवा ने व्हाइट कलर की शर्ट के साथ ब्लैक पैंट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस दौरान रीवा के बाल ओपन हैं और उनका मेकअप काफी लाइट है। इस दौरान उनकी स्माइल देखते ही बन रही है। रीवा की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर जबरदस्त रिएक्शन आ रहे हैं। आपको बता दें कि एक्टर रवि किशन की बेटी रीवा किशन अपने पिता की तरह ही एक्टिंग के क्षेत्र में अपना बड़ा नाम कमाना चाहती हैं। रीवा ने नसीरुद्दीन शाह का एक्टिंग प्ले रूप ज्वाइन किया और एक साल तक वहां से ट्रेनिंग ली। इसके साथ ही उन्होंने एक्टिंग और फिल्म मेकिंग में ग्रेजुएशन किया। यही नहीं रीवा एक्टिंग सीखने के लिए अमेरिका भी गईं थीं। वहीं रीवा ने 'सब कुशल मंगल' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी।

सामंथा रुथ प्रभु ने 'यशोदा' बनकर जीता फैंस का दिल, रोंगटे खड़े कर देगा ये छोटा सा टीजर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सामंथा रुथ प्रभु अपनी आगामी फिल्म 'यशोदा' को लेकर पिछले काफी समय से चर्चा में है। जब से सामंथा की इस थ्रिलर फिल्म का पहली झलक सामने आई है तबसे ही फैंस इस फिल्म को थिएटर में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में सामंथा रुथ प्रभु की मोस्ट अवेटेड तमिल फिल्म 'यशोदा' का टीजर सामने

आ गया है, जिसे देखने के बाद हर कोई शॉक्ड रह गया है। इस 1 मिनट 14 सेकंड के टीजर को देखने के बाद लोग साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं।सामंथा रुथ प्रभु की तमिल फिल्म 'यशोदा' के इस छोटे से ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर लोगों को तारीफ करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस टीजर की शुरुआत में 'यशोदा' का किरदार निभाने वालीं सामंथा रुथ प्रभु एक अस्पताल में बैठी होती हैं और डॉक्टर उन्हें बताती है कि वह 3 महीने प्रेगनेंट हैं और अब उन्हें अपना ख्याल रखना है। लेकिन इस बीच ही सामंथा रुथ प्रभु को बैठे-बैठे कई चीजें रिमाइंड होती हैं और ऐसा लगता है कि कोई उनका पीछा कर रहा है। इस फिल्म का टीजर सस्पेंस से भरपूर है। सामंथा रुथ प्रभु के साथ इस टीजर में कई ऐसी चीजें होती हैं, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।यशोदा का टीजर देखने के बाद फैंस सोशल मीडिया पर सामंथा रुथ प्रभु की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'सामंथा आप इस बात का लिविंग उदाहरण हो कि किसी को अपनी सफलता से कैसे मारना है'। दूसरे यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बहुत ही शानदार टीजर है। इसे देखने के बाद मेरे रोंगटे खड़े हो गए हैं। सैम हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और इस फिल्म के लिए आपका शुक्रिया'। अन्य यूजर ने लिखा, 'इस फिल्म को बिग स्क्रीन पर देखने का मैं इंतजार नहीं कर सकता'।

हनी सिंह और शालिनी तलवार का हुआ तलाक, खत्म हो गई स्कूल की लव स्टोरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अपने पंजाबी रैप से लोगों को थिरकाने वाले रैपर हनी सिंह पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में है। पिछले साल हनी सिंह ने दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में पति हनी सिंह पर घरेलू हिंसा सहित कई दूसरी महिलाओं के साथ संबंध होने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे और हनी सिंह से तलाक की अर्जी कोर्ट में दी थी। सिर्फ इतना ही नहीं हनी सिंह के पतने शालिनी ने उनसे एलिमिनी के तौर पर 10 करोड़ रुपए भी मांगे थे। उनका कहना था कि वह अपनी मां पर निर्भर नहीं रहना चाहती हैं। अब दोनों के बीच तलाक हो चुका है और इनका 10 साल का रिश्ता भी खत्म हो चुका है। 10 करोड़ की डिमांड करने वालीं शालिनी तलवार को तलाक के बाद हनी सिंह ने दिल्ली साकेत कोर्ट में एलिमिनी के रूप में एक करोड़ का चेक सील्ड लिफाफे के साथ सौंपा है और गुरूवार को दोनों के बीच लम्बे समय से चल रहा तलाक का मामला शांत हुआ है। आपको बता दें कि शालिनी तलवार ने हनी सिंह पर ही नहीं, बल्कि अपने ससुर पर भी कई गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में अपनी याचिका दायर करते हुए उन्होंने हनी सिंह के साथ-साथ उनके पूरे परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने अपने ससुर पर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया था। शालिनी तलवार और हनी सिंह की लव स्टोरी स्कूल के दिनों में शुरू हुई थी। दोनों करीब 20 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। जिसके बाद 23 जनवरी 2011 को दिल्ली में एक गुरद्वारे में सिख रीति-रिवाजों से शादी की थी। दोनों ने एक लम्बे समय तक अपनी शादी को सबसे छुपाकर रखा था। हालांकि कुछ सालों के बाद जब दोनों की शादी की तस्वीरें मीडिया में सामने आई तब फैंस को इस बात का पता चला कि हनी सिंह की शादी हो गई है। शादी के कुछ सालों बाद ही दोनों के बीच अनबन की खबरें आने लगी थीं। शालिनी तलवार ने अपने बयान में ये भी कहा था कि 10 सालों से घर में उन्हें बुरी तरह से रखा जा रहा था।

सोनाली राउत ने टू पीस बिकिनी में कराया जानलेवा फोटोशूट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बिग बॉस 8 में नजर आ चुकी सुपरमॉडल सोनाली राउत ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है। इसमें उन्हें 2 पीस बिकिनी में बोल्ड पोज देते हुए देखा जा सकता है। तस्वीरों में सोनाली राउत का स्लिम और टोंड फिगर भी नजर आ रहा है सोनाली राउत के बाल खुले हुए हैं और वह एक कारपेट पर लेटकर बोल्ड पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इसमें उनका टैटू भी नजर आ रहा है। सोनाली राउत ने मेकअप कर रखा है और वह दिलकश अंदाज में कैमरे की ओर देख रही हैं। सोनाली राउत ने तस्वीरें शेयर करते हुए एक काले दिल की इमोजी शेयर की है। इसके अलावा उन्होंने इसे कई लोगों को टैग भी किया है सोनाली

राउत की तस्वीर इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई है। उनकी फोटोज को 26,000 से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। वहीं इस पर साढ़े तीन सौ से ज्यादा कमेंट किए गये हैत् कई लोगों ने फोटोज पर दिल और आग की इमोजी शेयर की है। वहीं कई लोगों ने रानियों की रानी, आई लव यू, बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं, बहुत खूबसूरत, यू आर सो गॉर्जिय्स एंड सो ब्यूटीफुल एंड सो हॉट जैसे कमेंट किए हैं। सोनाली राउत के इंस्टाग्राम पर 21 लाख फॉलोअर्स है। वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत भी करती है सोनाली राउत ने इसके पहले भी दिलकश अंदाज में फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की थीत् इसमें उन्हें बोल्ड अंदाज में हॉट पोज देते हुए देखा जा सकता है। सोनाली राउत सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं। वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है। इसे लेकर उनके फैन भी काफी उत्साहित रहते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।